आपकी खबर, हमारी पहचान

साप्ताहिक

जम्मू न्यूज मिशन

शहर, देश शेयर बाज़ार, खेल

www.jammunewsmission.com   jammunewsmission   jammunewsmission   jammunewsmission   jammunewsmission

● वर्ष: 2 ● अंक: 2 ● पृष्ठ: 16 ● सोमवार ● सांबा (जम्मू-कश्मीर) ● 13 जनवरी, 2025 ● रुपए 5 ● Title Code No. JKHIN00426

कश्मीर के लिए करिश्मा है जेड मोड़ टनल

आज होगा उद्घाटन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उत्साहित

पीएम मोदी सुरंग का उद्घाटन करेंगे, जनसभा भी होगी

हर मौसम में सड़क संपर्क बनाए रखने की दिशा में बड़ा कदम

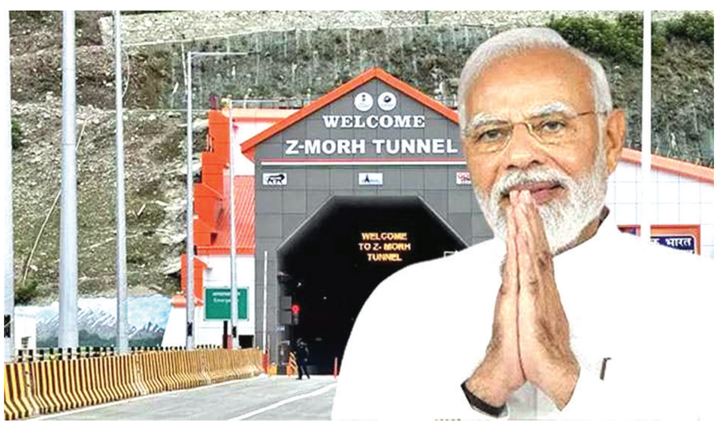

श्रीनगर।

श्रीनगर-कारगिल राष्ट्रीय राजमार्ग पर जेड मोड़ सुरंग के उद्घाटन का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पीएम ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट को साझा करते हुए लिखा कि मैं भी सोनमर्ग आने का इंतजार कर रहा हूं। सोनमर्ग की यह सुरंग कश्मीर में पर्यटन व स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी।

यहां बता दें कि जेड मोड़ सुरंग प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग में सदाबहार संपर्क प्रदान करेगी और सर्दियों में भी पर्यटक आसानी से पहुंच सकेंगे। समुद्रतल से 8,650 फीट की ऊंचाई पर स्थित 6.5 किलोमीटर लंबी इस सुरंग का लोकार्पण सोमवार 13 जनवरी को प्रधानमंत्री करने वाले हैं। वह वहां एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने साझा की तस्वीरें

शनिवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तैयारियों का जायजा लिया और सुरंग का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर सुरंग की तस्वीरें साझा की थी। प्रधानमंत्री ने शेष पृष्ठ 15 पर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोनमर्ग में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सोनमर्ग सुरंग के उद्घाटन से पहले की तैयारियों की समीक्षा की

'रणनीतिक सुरंग से पूरे वर्ष कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी और सोनमर्ग में पर्यटन की संभावना बढ़ेगी'

सोनमर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सोनमर्ग सुरंग के औपचारिक उद्घाटन से पहले, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल जिले के सोनमर्ग में परियोजना स्थल पर तैयारियों की समीक्षा की। अपने सलाहकार नासिर असलम वानी और विधायक कंगन मियां मेहर अली के साथ, मुख्यमंत्री को मुख्य सचिव अटल डुल्लू तथा कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर रणनीतिक 6.4 किलोमीटर लंबी सुरंग के उद्घाटन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने सुरंग का निरीक्षण किया और परियोजना के निर्माण में शामिल इंजीनियरों और श्रमिकों से बातचीत की, इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को पूरा करने में उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उस स्थल का भी दौरा किया, जहां प्रधानमंत्री मोदी एक जनसभा को संबोधित शेष पृष्ठ 15 पर

दिल्ली पुलिस के नए विशेष आयुक्त बने विजय कुमार, जम्मू-कश्मीर से लिया कार्यभार

नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच, 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी विजय कुमार को दिल्ली पुलिस के नए विशेष आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले, वह जम्मू-कश्मीर में एडीजी कानून-व्यवस्था का कार्यभार संभाल रहे थे। विजय कुमार, जो कि एजीएमयूटी (अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश) कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं, को दिसंबर 2019 में कश्मीर क्षेत्र का पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया था। जम्मू-कश्मीर में अपनी पोस्टिंग के दौरान, उन्होंने केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ उनकी अगुवाई में कई सफल अभियानों का संचालन किया गया। इससे पहले, विजय कुमार ने नक्सल प्रभावित दक्षिण शेष पृष्ठ 15 पर

उपराज्यपाल ने 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित सम्मेलन में हिस्सा लिया

जम्मू-कश्मीर नशीली दवाओं के गिरोह और नार्को-टेरर गठजोड़ को पूरी तरह से खत्म करने हेतु प्रतिबद्ध-एलजी सिन्हा

जम्मू

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आयोजित 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से वर्चुअली हिस्सा लिया और नार्को-टेरर गठजोड़ को बेअसर करने और ड्रग खतरे से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर यूटी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2024 में मादक पदार्थों की तस्करी से होने वाली अवैध आय को लक्षित करने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं और तस्करों और विदेशी मुद्रा हेरफेर अधिनियम के तहत तस्करों की 188 संपत्तियों को जब्त करने के लिए पहचाना गया है। पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत 274 बार अपराध करने वालों को हिरासत में लिया गया।

उपराज्यपाल ने कहा कि 2024 में पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किए गए और 210 लोगों को सजा दिलाई गई जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है। 2024 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत लगभग 1,514 मामले दर्ज किए गए और 2,260 गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे ड्रग गिरोह को पूरी तरह से खत्म करने के लिए शेष पृष्ठ 15 पर

जम्मू कश्मीर में न्यूनतम तापमान में बढ़ोत्तरी

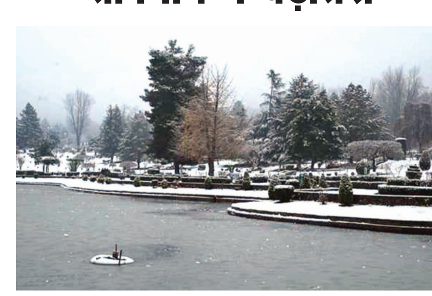

श्रीनगर

कश्मीर में रातभर बादल छाए रहने के कारण न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि हुई, लेकिन यह हिमांक बिंदु से नीचे बरकरार रहा। मौसम विभाग ने कहा है कि यहां आज आंधी-तूफान की संभावना है। इसके अलावा पहाड़ी इलाकों में न्यूनतम तापमान माइनस में चला जाएगा। उत्तराखंड में भी आज मौसम बदलेगा। यहां आज और कल आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश की बात करें तो यहां ठंड और बारिश का डबल अटैक होगा। कल से ठंड फिर बढ़ जाएगी। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज शेष पृष्ठ 15 पर

जम्मू न्यूज़ मिशन

जम्मू शहर में आज मनाया जायेगा लोहड़ी का पर्व, शाम 05 :45 बजे से रात 08 :12 बजे तक रहेगा शुभ मुहूर्त

जम्मू

लोहड़ी पर्व उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। लोहड़ी पर्व के विषय में श्री कैलख ज्योतिष (ज्योतिषाचार्य) महंत रोहित शास्त्री ने बताया लोहड़ी मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। इस वर्ष सन् 2025 ई. को लोहड़ी का पर्व 13 जनवरी सोमवार को हैं मकर संक्रान्ति की पूर्वसंध्या पर इस त्यौहार का उल्लास रहता है। रात्रि में खुले स्थान में परिवार और आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। फिर अग्नि का पूजन कर अर्घ दिया जाता है उसके बाद रेवड़ी, मूंगफली, लावा आदि खाए जाते हैं। लोहड़ी का अर्घ देने का शुभ मुहूर्त 13 जनवरी सोमवार शाम 05~45 बजे से रात 08~12 बजे तक रहेगा।

जिन परिवारों में लड़के का विवाह होता है अथवा जिन्हें पुत्र प्राप्ति होती है, उनसे पैसे लेकर मुहल्ले या गाँव भर में बच्चे ही बराबर बराबर रेवड़ी बाँटते हैं। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से %त्योहार% (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। लोहड़ी के दिन या उससे दो चार दिन पूर्व बालक बालिकाएँ बाजारों में दुकानदारों तथा पथिकों से %मोहमाया% या महामाई (लोहड़ी का ही दूसरा नाम) के पैसे माँगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में प्रयुक्त करते हैं।

लोहड़ी मुख्यत~ पंजाब का पर्व है, यह द्योतार्थक (एक्रॉस्टिक) शब्द लोहड़ी की पूजा के समय व्यवहृत होने वाली वस्तुओं के द्योतक वर्णों का समुच्चय जान पड़ता है, जिसमें ल (लकड़ी) +ओह (गोहा = सूखे उपले) +ड़ी (रेवड़ी) = %लोहड़ी% के प्रतीक हैं। श्वतुर्यज्ञ का अनुष्ठान मकर संक्रांति पर होता था, संभवत~ लोहड़ी उसी का अवशेष है। पूस-माघ की कड़कड़ाती सर्दी से बचने के लिए आग भी सहायक सिद्ध होती है-यही व्यावहारिक आवश्यकता %लोहड़ी% को मौसमी पर्व का स्थान देती है।

लोहड़ी से संबद्ध परंपराओं एवं रीति-रिवाजों से ज्ञात होता है कि प्रागैतिहासिक गाथाएँ भी इससे जुड़ गई हैं। *दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि-दहन की याद में ही यह अग्नि जलाई जाती है। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से %त्योहार% (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। यज्ञ के समय अपने जामाता शिव का भाग न निकालने का दक्ष प्रजापति का प्रायश्चित्त ही इसमें दिखाई पड़ता है।* उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में %खिचड़वार% और दक्षिण भारत के %पोंगल% पर भी-जो %लोहड़ी% के समीप ही मनाए जाते हैं-बेटियों को भेंट जाती है।

लोहड़ी से 20-25 दिन पहले ही बालक एवं बालिकाएँ %लोहड़ी% के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। संचित सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। मुहल्ले या गाँव भर के लोग अग्नि के चारों ओर आसन जमा लेते हैं। घर और व्यवसाय के कामकाज से निपटकर प्रत्येक परिवार अग्नि की परिक्रमा करता है। रेवड़ी (और कहीं कहीं मक्की के भुने दाने) अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय %लोहड़ी% में से दो चार दहकते कोयले, प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयाणवी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू कश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की एक कहानी से भी जोड़ा जाता हैं। लोहड़ी की सभी गानों को दुल्ला भट्टी से ही जुड़ा तथा यह भी कह सकते हैं कि लोहड़ी के गानों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता हैं। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

पूर्व मंत्री रमन भल्ला के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू

पूर्व मंत्री रमन भल्ला के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल में योगेश साहनी, वेद महाजन, रविंदर शर्मा और राकेश वजीर सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल थे, जिन्होंने उपराज्यपाल के साथ सार्वजनिक महत्व के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

गणेश मंदिर प्रबंधक समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल भेंट की

जम्मू

गणेश मंदिर प्रबंधक समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से भेंट की तथा उन्हें श्रीनगर के गणेश मंदिर, गणपतयार के विकास संबंधी मुद्दों से अवगत करवाया।

बाबा गुलाम शाह बादशाह विष्वविद्यालय में जनजातीय अध्ययन के चेयर प्रोफेसर डॉ. रफीक अंजुम और राजौरी से प्रेस कोर काउंसिल (एनजीओ) की संयोजक सुश्री शिवाली शर्मा ने भी उपराज्यपाल से भेंट की।

जावेद राणा ने जम्मू-कश्मीर में आदिवासी छात्रावासों के कामकाज का आकलन किया

आदिवासियों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण अंतरालों को भरने का आह्वान किया

जम्मू

जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू-कश्मीर में आदिवासी छात्रावासों के कामकाज की समीक्षा के लिए नागरिक सचिवालय में एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जनजातीय मामलों के सचिव प्रसन्ना रामास्वामी जी, जनजातीय मामलों के निदेशक गुलाम रसूल और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मंत्री ने छात्रावासों के कामकाज का विस्तृत आकलन किया, जिसमें स्टाफ की संख्या, स्वच्छता में सुधार, भोजन की सुविधा, डिजिटल कक्षाएं, पुस्तकालय और छात्रावास में रहने वालों के लिए शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन स्थलों पर जोर दिया गया।

मंत्री ने कहा कि सरकार ने आदिवासियों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में महत्वपूर्ण अंतरालों को भरने की परिकल्पना की गई है।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है, ताकि लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे जिलों में चल रहे निर्माण कार्यों का मामला संबंधित उपायुक्तों के समक्ष उठाएं, ताकि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो सकें।

जावेद राणा ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी आदिवासी गांवों में धरती आबा मिशन के विस्तार की भी समीक्षा की। उन्होंने आदिवासी लोगों के कल्याण के लिए क्रियान्वित की जा रही योजना के क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए योजना से संबंधित विभिन्न पहलुओं और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए अन्य तौर-तरीकों पर चर्चा की।

जनजातीय मामलों के सचिव ने जम्मू-कश्मीर में जनजातीय छात्रावासों के कामकाज के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

उन्होंने यूटी कैपेक्स बजट 2024-25 के तहत चल रहे विभिन्न कार्यों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यूटी कैपेक्स बजट के तहत जीएंडबी छात्रावासों के उन्नयन, 100 बिस्तरों वाले नए छात्रावासों के निर्माण, आदिवासी गांवों में बिजली, पानी की आपूर्ति और कनेक्टिविटी प्रदान करने, प्रवासी खानाबदोश आबादी के लिए पारगमन आवास, बेरोजगारों का सशक्तिकरण, कौशल विकास, पशु/भेड़/बकरी इकाइयों की स्थापना, स्मार्ट कक्षाओं/ई-क्लास रूम की स्थापना, विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण, हैंडपंप, बोरवेल की स्थापना आदि के लिए कई कार्य किए गए हैं।

सचिव ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान पूरे यूटी में कुल 78.00 करोड़ रुपये के परिव्यय के लिए वार्षिक योजना को मंजूरी दी गई है, जिसके अनुसार विभिन्न कार्यों के लिए 80 प्रतिषत धनराशि पहले ही निष्पादन एजेंसियों को जारी की जा चुकी है और कार्य निष्पादन के अधीन हैं। उन्होंने कहा कि इससे दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों के बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। बैठक के दौरान आदिवासी छात्रावासों और जिला स्तर पर कार्यालयों के सुचारू संचालन के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने प्रशासनिक प्रमुखों के समक्ष कर्मचारियों के मुद्दों को उठाया

कर्मचारियों के करियर में प्रगति को सुगम और परेशानी मुक्त बनाने की वकालत की

श्रीनगर

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने सभी प्रशासनिक सचिवों की बैठक बुलाई, जिसमें यूटी सरकार के लिए काम करने वाले कर्मचारियों के पक्ष में की गई पदोन्नति और अनुकंपा नियुक्तियों का जायजा लिया गया। इस बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राजपत्रित और अराजपत्रित दोनों पदों के लिए प्रशासनिक और विभागाध्यक्ष स्तर पर विभागों द्वारा आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकों का संज्ञान लिया।

उन्होंने विभागों से नियमित रूप से डीपीसी आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि यहां काम करने वाले कर्मचारी भी अपने अधीन काम करने वाले अधिकारियों की तरह ही करियर में प्रगति के हकदार हों। उन्होंने ओपीजी मोड में उच्च ग्रेड पर रखे गए कर्मचारियों और नियमित आधार पर उनकी पदोन्नति के बारे में पूछा।

उन्होंने एआरआई और प्रशिक्षण विभाग से यहां वर्तमान में अद्यतन किए जा रहे विभिन्न विभागों के भर्ती नियमों को अंतिम रूप देने पर भी जोर दिया। इस अद्यतनीकरण को समयबद्ध बनाने का आग्रह किया ताकि इन विभागों में भर्ती और पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हो सके।

अटल डुल्लू ने कहा कि कुछ विभाग एडहॉक पदोन्नति से ग्रस्त हैं जिन्हें ठीक करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस मुद्दे को हमेशा के लिए सुलझाने के लिए जीएडी और वित्त के अधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें शिक्षा विभाग में भर्ती के लिए गैर-राजपत्रित रिक्तियों की पहचान करने से संबंधित मामले की जांच करने की सलाह दी, क्योंकि इनका उपयोग यहां आरईटी शिक्षकों के नियमितीकरण के लिए किया गया था।

एसआरओ-43 और नव-नामांकित पुनर्वास सहायता योजना के तहत मृतक कर्मचारियों के परिजनों के पक्ष में अनुकंपा नियुक्ति के बारे में मुख्य सचिव ने प्रक्रिया में और तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आवेदकों के पक्ष में मंजूरी और आदेश जारी करने के लिए मामलों को नामित समितियों के समक्ष रखें।

उन्होंने उन्हें एसआरओ-43 के तहत शेष पात्र उम्मीदवारों की नियुक्ति जल्द से जल्द पूरी करने का भी निर्देश दिया, क्योंकि इनकी संख्या अभी बहुत कम है। बैठक में आयुक्त सचिव, जीएडी, एम. राजू ने प्रासंगिक विवरण प्रदान करते हुए बताया कि आरएएस के लगभग 1151 मामले लंबित हैं, जिनमें से 2022 और 2023 में प्राप्त 507 मामलों को उनकी नियुक्ति के लिए विभागों को भेज दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि विभिन्न विभागों में केवल 175 एसआरओ-43 मामले लंबित हैं, जिनमें से अधिकांश एक या दो महीने में निपटाए जाने वाले हैं।

विभिन्न विभागों द्वारा की गई पदोन्नति के बारे में बैठक में बताया गया कि वर्ष 2024 में विभागाध्यक्ष स्तर पर 76 डीपीसी आयोजित की गई थी, इसके अलावा राजपत्रित रिक्तियों को भरने के लिए प्रशासनिक/पीएससी स्तर पर 14 डीपीसी आयोजित की गई थी।

इसके अलावा बैठक में बताया गया कि ओपीजी में 929 अराजपत्रित और 231 राजपत्रित कर्मचारियों को उचित स्तर पर डीपीसी आयोजित करके नियमितीकरण की मांग करते हुए उच्च पदों पर रखा गया था। यह भी बताया गया कि यूटी के विभिन्न सरकारी विभागों में पदोन्नति कोटे के तहत वर्तमान में 4825 अराजपत्रित और 272 राजपत्रित रिक्तियां उपलब्ध हैं।

इस दौरान मुख्य सचिव ने नियमित विभागीय कार्रवाइयों के माध्यम से कर्मचारियों के खिलाफ उनके कदाचार में लिप्त होने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग/एसीबी द्वारा अनुशंसित कार्रवाई का भी जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई अनुकरणीय और उनके कुकृत्यों के अनुपात में होनी चाहिए। उन्होंने ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ विभागों द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां दूसरों को इन अपराधों को दोहराने से रोकने के लिए निवारक के रूप में कार्य करती हैं।

विभागों द्वारा आरडीए की स्थिति के बारे में यहां आयुक्त सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, एम. राजू ने बैठक में बताया कि कुल 900 आरडीए मामलों में से 468 वर्तमान में सक्रिय हैं और संबंधित विभागों द्वारा विभिन्न कार्रवाई करने के बाद 351 बंद कर दिए गए हैं।

यह भी पता चला कि 81 मामले सामान्य प्रशासन विभाग में लंबित हैं, जिन पर प्रचलित कानून के अनुसार अंतिम नोट जोड़ा जाना है।

डीईओ जम्मू ने ईवीएम-वीवीपैट गोदाम निर्माण का निरीक्षण किया

जम्मू

जिला चुनाव अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने भगवती नगर में ईवीएम वीवीपैट गोदाम के निर्माण का निरीक्षण किया।

इस सुविधा में अत्याधुनिक सुविधाएं, लिफ्ट, उन्नत सुरक्षा व्यवस्था और हाईटेक निगरानी प्रणाली के अलावा अन्य सुविधाएं होंगी।

संबंधित अधिकारियों से बात करते हुए डीईओ ने उन्हें गुणवत्ता मानकों से समझौता किए बिना परियोजना को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान निदेशक एनआईसी/जिला सूचना विज्ञान अधिकारी संजीव कपूर, डिप्टी डीईओ रामेष्वर कुमार, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी और अन्य अधिकारी डीईओ के साथ थे।

पौष पूर्णिमा दिवा एवं रात्रि पूर्णिमा व्रत आज

जम्मू

पौष पूर्णिमा सनातन धर्म में विशेष महत्व रखती है,पौष पूर्णिमा के विषय में श्रीकैलख ज्योतिष एवं वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को पौष पूर्णिमा कहा जाता है। इस साल पौष पूर्णिमा सन् 2025 ई. 13 जनवरी सोमवार को है। पौष पूर्णिमा दिवा एवं रात्रि पूर्णिमा व्रत 13 जनवरी सोमवार को ही है।

इस दिन भगवान श्रीसत्यनारायण जी की कथा पढ़ना अथवा सुनना,पूजा करना अथवा करवाना बेहद शुभ होता है। पूर्णिमा तिथि के दिन भगवान श्रीगणेश माता पार्वती भगवान शिव,श्रीसत्यनारायण जी और चंद्रमा की पूजा का भी विशेष महत्व है। रात को चंद्रमा निकलने के बाद धूप-दीप से पूजा करें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। पौष पूर्णिमा पर पवित्र नदियों,सरोवरों में स्नान करने का विशेष महत्व है किसी कारण वश पवित्र नदियों,सरोवरों में स्नान ना कर सके तो घर में ही पानी में गंगाजल डाल कर स्नान करें और यथासामर्थ्य किसी जरूरतमंद व्यक्ति एवं ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान दक्षिणा अवश्य करें ऐसा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार,पौष पूर्णिमा सन् 2025 ई. की पहली पूर्णिमा होगी। शास्त्रों के अनुसार इस दिन किसी भी प्रकार की तामसिक वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए,ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए,इस दिन शराब आदि नशे से भी दूर रहना चाहिए। इसके शरीर पर ही नहीं, आपके भविष्य पर भी दुष्परिणाम हो सकते हैं,इस दिन सात्विक चीजों का सेवन किया जाता है।

भाजपा प्रवक्ता ने फारूक अब्दुल्ला पर साधा निशाना, भाजपा शासन में जम्मू में हुए विकास पर प्रकाश डाला

जम्मू

भाजपा जम्मू-कश्मीर की प्रवक्ता और जम्मू की पूर्व उप महापौर अधिवक्ता पूर्णिमा शर्मा ने भाजपा के नेतृत्व वाली जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के खिलाफ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला के आरोपों की कड़ी आलोचना की। जम्मू के त्रिकुटा नगर में भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शर्मा ने पार्टी नेताओं बलबीर राम रतन, डॉ. प्रदीप महोत्रा और रजनीश जैन के साथ भाजपा के नेतृत्व में हुए उल्लेखनीय परिवर्तन पर जोर दिया।

भाजपा के नेतृत्व वाली जेएमसी की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने कहा भाजपा ने शासन और विकास में मानक स्थापित किए हैं जिससे जम्मू एक स्मार्ट सिटी बन गया है।

उन्होंने उप महापौर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान की गई प्रमुख पहलों को रेखांकित किया, जिसमें शहरी सौंदर्यीकरण, बुनियादी ढांचे का उन्नयन और पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है।

प्रमुख परियोजनाओं को गिनवाते हुए गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर तवी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट और रणबीर कैनाल वॉकवे, एक व्यापक सीवेज उपचार परियोजना के तहत स्वच्छता प्रयासों और आधुनिक सफाई मशीनरी की शुरूआत, 60,000 से अधिक स्ट्रीटलाइट्स की स्थापना, सभी वार्डों में ओपन जिम की स्थापना और फ्लाईओवर के नीचे वर्टिकल गार्डन का विकास शामिल है। पीर खो को बहू किले से जोड़ने वाली गोंडोला केबल कार प्रणाली, बाग-ए-बहू में एक संगीतमय फव्वारा और बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणाली जैसी परियोजनाएं आधुनिक और जीवंत जम्मू के लिए भाजपा के दृष्टिकोण को और रेखांकित करती हैं।

शर्मा ने रेखांकित किया कि भाजपा के नेतृत्व ने राजस्व संग्रह को बढ़ाकर, पारदर्शिता सुनिश्चित करके और कुशल कचरा संग्रह प्रणालियों को लागू करके जेएमसी को आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने इसकी तुलना नेशनल कॉन्फ्रेंस के ट्रैक रिकॉर्ड से करते हुए दावा किया कि छह दशकों से अधिक समय तक जम्मू और कश्मीर पर शासन करने के बावजूद एनसी समान विकास और आधुनिकीकरण के वादों को पूरा करने में विफल रही। उन्होंने जम्मू शहर के सभी वार्डों में समान विकास सुनिश्चित करने के लिए समावेशिता के उद्देश्य से की गई पहलों पर भी प्रकाश डाला।

चुघ, सत और विधायकों ने हीरानगर में शहीद भीखम सिंह शहीद बिहारी लाल को श्रद्धांजलि दी

कठुआ

भाजपा ने शहीद भीखम सिंह जी और शहीद बिहारी लाल जी के शहादत दिवस पर हीरानगर में उनकी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया।

राष्ट्रीय महासचिव भाजपा और प्रभारी जम्मू-कश्मीर भाजपा तरुण चुघ, सत शर्मा अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर भाजपा, श्रीकांत शर्मा जम्मू-कश्मीर भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के लिए पर्यवेक्षक, डॉ देविंदर कुमार मन्याल महासचिव जम्मू-कश्मीर भाजपा और विधायक, डॉ भारत भूषण, विजय शर्मा और राजीव जसरोटिया, गोपाल महाजन जिला अध्यक्ष, ठा रंजीत सिंह, डीडीसी, बीडीसी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने भी कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। तरुण चुघ ने शहीदों को

पुष्पांजलि अर्पित करते हुए देश को मजबूत करने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसी को भी जम्मू-कश्मीर में शांति और प्रगति को बाधित नहीं करने देगी क्योंकि प्रजा परिषद, जनसंघ और भाजपा का जन्म राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत के साथ हुआ था। भाजपा उन सभी शहीदों की ऋणी है जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया। हमने 5 अगस्त को एक छोटा युद्ध जीता है, और ठाकुर बलदेव सिंह और प्रेम नाथ डोगरा के सपने को पूरा करने और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को साकार करने के लिए एक लंबी लड़ाई लड़ते रहना है।

उन्होंने कहा कि 28 विधायक जम्मू-कश्मीर को बचाने की विचारधारा के संरक्षक हैं। नेहरू, अब्दुल्ला, मुफ्ती के 3 परिवारों ने स्वशासन के लिए धर्मयुद्ध किया, लेकिन जम्मू-कश्मीर भाजपा कार्यकर्ता की अंतिम सांस तक भारत का अभिन्न अंग बना रहेगा। उन्होंने पीओजेके की स्थिति पर सवाल उठाने और 370 पर 'खून की नदी' बहाने की चेतावनी देने वालों के लिए यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश की निंदा की। उन्होंने 1947 और 1990 की पुनरावृत्ति पर अपने बयानों के लिए रूहुल्लाह को भी उद्धृत किया। चुघ ने कहा कि मोदी सरकार ऐसी शरारत नहीं होने देगी। हीरानगर में 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की चिंगारी तब भड़की थी, जब उन्होंने 'भारत माता की जय' को दबाने के लिए गोलियों का इस्तेमाल किया और 'तिरंगा' नहीं फहराने दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू और भारत के खिलाफ साजिश रचने और शेख अब्दुल्ला का पक्ष लेने और उसके बाद के विश्वासघात में पंडित नेहरू की नकारात्मक भूमिका सभी को पता है।

सत शर्मा और विधायक राजीव जसरोटिया ने 1953 के शहीदों, शहीद बिहारी लाल जी और शहीद भीखम सिंह जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जम्मू क्षेत्र ने कभी भी अत्याचारियों के सामने घुटने नहीं टेके। उन्होंने कहा कि जम्मू में बलिदानों और मिट्टी और सिद्धांतों के लिए वीरता का समृद्ध इतिहास है। उन्होंने कहा कि ये शहीद पीढ़ियों के लिए आदर्श रहे हैं और भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' की नीति के सिद्धांत पर काम करते हुए इन गुणों को अक्षरशः अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

युद्धवीर सेठी ने जमीनी स्तर पर विकास लाने पर भाजपा के अटूट फोकस को दोहराया

जम्मू

भाजपा नेता और पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक युद्धवीर सेठी ने शनिवार को क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू किया। 8 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य जल जीवन मिशन योजना के तहत निर्वाचन क्षेत्र के मोहल्ला जटकटरियान और मोहल्ला लोअर दलपतियां और खटका तालाब में जलापूर्ति के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना है।

इस अवसर पर बोलते हुए युद्धवीर सेठी ने प्रतिष्ठित जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल् सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने पूरे देश में लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया है। यह पहल आत्मनिर्भर और विकसित भारत के उनके वादे को पूरा करने की दिशा में एक और कदम है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जम्मू पूर्व के निवासियों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना उनकी सर्वोच्च

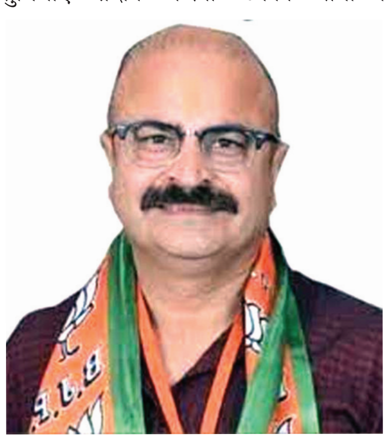

प्राथमिकता है। उन्होंने कहा विकास की शुरुआत स्वच्छ पेयजल, बिजली और स्वच्छता जैसी आवश्यकताओं तक पहुँच सुनिश्चित करने से होती है। आज की परियोजना प्रत्येक नागरिक के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए हमारे समर्पण का प्रमाण है। मोदी सरकार की सराहना करते हुए सेठी ने केंद्र सरकार को परिवर्तनकारी योजनाएँ शुरू करने का श्रेय दिया जिससे जम्मू.कश्मीर के लोगों को बहुत लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन जैसी परियोजनाएँ विशेष रूप से शहरी और अर्ध.शहरी क्षेत्रों के लिए समान विकास के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

युद्धवीर सेठी ने स्थानीय प्रशासन और निवासियों को ऐसी पहलों को लागू करने में उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने नागरिकों से नए स्थापित बुनियादी ढाँचे की निगरानी और रखरखाव में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया ताकि इसकी दीर्घायु और स्थिरता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जमीनी स्तर पर विकास लाने पर भाजपा के अटूट ध्यान को दोहराया। उन्होंने कहा हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि जम्मू पूर्व के लोगों से किए गए वादे पारदर्शिता और दक्षता के साथ पूरे हों।

उपायुक्त जम्मू ने टीबी उन्मूलन अभियान की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू

उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य के साथ बैठक में राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. ज्योति जॉली ने महत्वाकांक्षी 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के तहत उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

7 दिसंबर को शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य टीबी के मामलों की पहचान में सुधार, निदान में देरी को कम करना और विशेष रूप से कमजोर आबादी के लिए उपचार के परिणामों को बढ़ाकर टीबी के खिलाफ लड़ाई को तेज करना है। 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में फैला यह अभियान टीबी को खत्म करने और टीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की भारत की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

डॉ. ज्योति ने उपायुक्त को कमजोर आयु समूहों, निक्षय शिविरों के आयोजन की योजनाओं और संभावित टीबी मामलों का पता लगाने और उपचार के लिए आम आबादी पर किए जाने वाले अन्य परीक्षणों के बारे में जानकारी दी।

उपायुक्त ने अभियान की सफलता के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की और समर्थन का आश्वासन दिया और उम्मीद जताई कि जिला इस नई पहल में अच्छा प्रदर्शन करेगा।

बैठक में सीएमओ डॉ. हरबख्श सिंह, डीटीओ डॉ. अनु सलोच, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट एनटीईपी डॉ. शिलेंद्र तोमर के अलावा अन्य सम्बंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने पुंछ जिले में पीएम विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की

पुंछ

पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने आज जिले में पीएम विष्वकर्मा योजना के तहत प्रगति का आकलन करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस पहल का उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों को आवश्यक प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और बाजार संपर्क प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है।

शुरुआत में, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक खालिद हुसैन वफ़ा ने योजना का

अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें लाभार्थियों के लिए पात्रता, उद्देश्य, मान्यता, कौशल, ऋण सहायता और विपणन सहायता जैसे पहलुओं को शामिल किया गया।

उपायुक्त ने ग्राम पंचायत और जिला दोनों स्तरों पर लाभार्थियों की स्वीकृति की स्थिति के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों से समुदाय के लिए समय पर लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। बैठक में ब्लॉक-वार लंबित मामलों को भी हल किया गया, जिसमें सभी ब्लॉक विकास अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से अपडेट साझा करने के लिए वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया।

उपायुक्त ने लंबित आवेदनों को निपटाने के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया तथा आईटीआई के अधीक्षक को प्रशिक्षण पूरा होने पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने अधिक से अधिक कारीगरों को योजना के तहत पंजीकरण कराने तथा इसका लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के महत्व पर बल दिया।

युवा दिवस पर कृषि निदेशक जम्मू अरविंदर सिंह रीन को किया गया सम्मानित

जम्मू :

श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट ने युवा दिवस के अवसर पर कृषि निदेशक जम्मू, अरविंदर सिंह रीन को उनके उत्कृष्ट कार्य और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया। यह कार्यक्रम जम्मू में आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों, संस्थान के सदस्यों और युवाओं ने भाग लिया।

अरविंदर सिंह रीन को यह सम्मान कृषि क्षेत्र में उनके अभिनव योगदान और युवाओं को इस क्षेत्र में प्रेरित करने के लिए दिया गया। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जो न केवल कृषि के विकास में सहायक रही हैं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं को स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने कहा, श्री रीन न केवल कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी प्रेरित कर रहे

हैं। उनका नेतृत्व कृषि और समाज दोनों के लिए प्रेरणादायक है।

इस अवसर पर अरविंदर सिंह रीन ने कहा, यह सम्मान मुझे और अधिक उत्साह के साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है। कृषि केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। युवाओं को इस क्षेत्र में आगे आकर नई तकनीकों का उपयोग करना चाहिए और आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं, जिसमें युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस मौके पर कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं और तकनीकों के बारे में भी चर्चा की गई।

युवा दिवस पर यह सम्मान समारोह न केवल श्री रीन के योगदान को सराहने का अवसर बना, बल्कि युवाओं को उनके मार्गदर्शन में बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर सुनील शर्मा, राहुल शर्मा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक मुगल रोड के किनारे डोबीजान में पहला शीतकालीन कार्निवल आयोजित

शोपियां

कश्मीर की लुभावनी सुंदरता को प्रदर्शित करने के लिए दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में प्रशासन ऐतिहासिक मुगल रोड के किनारे डोबीजान में अपना पहला शीतकालीन कार्निवल आयोजित कर रहा है।

आज से शुरू हुए दो दिवसीय कार्यक्रम का नाम हीमल और नागराय की पौराणिक प्रेम कहानी के नाम पर रखा गया है जिसे ब्रिटिश मिशनरी जेएच नोल्स ने अपनी पुस्तक फोक टेल्स ऑफ कश्मीर में लोकप्रिय बनाया था।

शोपियां शहर से सिर्फ 15 किलोमीटर दूर स्थित डोबीजान तक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों को काटकर एक घुमावदार सड़क से पहुंचा जा सकता है। बर्फ से ढकी चोटियों और ऊंचे देवदार के पेड़ों से घिरा यह सुरम्य स्थल अपने विशाल घास के मैदान और गर्म पानी के झरने के लिए प्रसिद्ध है जिसके बारे में माना जाता है कि इसमें औषधीय गुण हैं।

कार्निवल में बच्चों के लिए बर्फ के खेल

और प्रतियोगिताओं सहित कई तरह की गतिविधियाँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त स्थानीय व्यंजनों और शिल्प को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है।

प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक व्यवस्था की गई है। अधिकारी ने कहा कि यह एक विस्तृत महोत्सव है जिसका उद्देश्य न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को उजागर करना है बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना भी है।

उपायुक्त किश्तवाड़ ने वयस्कों के लिए बीसीजी टीकाकरण अभियान शुरू किया

किश्तवाड़

टीबी रोग से निपटने और जन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की पहल में किश्तवाड़ के उपायुक्त राजेश कुमार शवन ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तत्वावधान में जिला टीबी रोग केंद्र किश्तवाड़ में वयस्कों के लिए बीसीजी टीकाकरण अभियान का उद्घाटन किया। वयस्कों (18.वर्ष) के लिए बीसीजी टीका शुरू करने का उद्देश्य कमजोर आबादी में टीबी रोग के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपायुक्त ने 100 प्रतिशत टीबी मुक्त जिले के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐसी पहलों के महत्व पर जोर दिया।

उपायुक्त ने कहा कि यह कार्यक्रम जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने और सभी के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उन्होंने जनता से अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और इस टीकाकरण अभियान का लाभ उठाने का आग्रह किया।

सीएमओ किश्तवाड़ ने टीबी के मामलों को कम करने में वैक्सीन के महत्व को दोहराया और सभी से, विशेष रूप से जोखिम वाले लोगों से, निशुल्क टीकाकरण का लाभ उठाने का आग्रह किया। किश्तवाड़ में जिला टीबी रोग केंद्र में टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के दिन जनता की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया देखी गई।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त विकास फुलैल सिंह, तहसीलदार निर्भय शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजिंदर कुमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सज्जाद हुसैन, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी किश्तवाड़, जिला टीबी रोग केंद्र के कर्मचारी और अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

यह अभियान पूरे जिले में जारी रहेगा, जिससे टीके तक पहुंच सुनिश्चित होगी और टीबी की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ेगी।

सांबा पुलिस ने एक व्यक्ति से 3.18 ग्राम हेरोइन बरामद की

जम्मू

नशा तस्करों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन विजयपुर के अधिकार क्षेत्र में एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से लगभग 3.18 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

एसएचओ पीएस विजयपुर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में एक पुलिस पार्टी ने एनएचडब्ल्यू एम्स विजयपुर में नाका के दौरान पंजीकरण संख्या नम्बर जेके08एच-9926 वाली एक बाइक को जांच के लिए रोका।

जांच के दौरान वाहन में सवार व्यक्ति के कब्जे से लगभग 3.18 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

ड्रग तस्कर की पहचान रॉकी वर्मा पुत्र नारायण दत्त निवासी तपियाल बरधानी घगवाल जम्मू के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और प्रतिबंधित सामान भी जब्त कर लिया गया है। पीएस विजयपुर में इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

संपादकीय

नये वायरस की दस्तक

सावधानी-जागरूकता से करें मुकाबला

पिछले दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीन में नया वायरस फैलने की आधी-अधूरी खबरें मिल रही थीं ,सोमवार तक उसी तरह के तीन मामले भारत में भी देखे गए। दो मामले बेंगलूरु में और एक मामला गुजरात में। छोटे बच्चों में फैलने वाले इस वायरस को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी बता रही है कि घबराने की जरूरत नहीं है। यह वायरस दुनिया के कई देशों में पहले से ही मौजूद रहा है। हालांकि, यह कहना मुश्किल है कि चीन में फैल रहा वायरस कितना घातक है। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सलाह दी जा रही है कि सावधान रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं। लोग उसी गाइडलाइन का पालन करें जो कोविड के वक्त 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में जारी की गई थी। दरअसल, चीन में ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी के मामलों में वृद्धि की खबरों ने पूरी दुनिया में चिंता बढ़ाई है। हालांकि, दुनिया के चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सांसों से जुड़ा सामान्य वायरस है, जो सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां पैदा करता है। खासकर बच्चे व बुजुर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन चिंता तब पैदा हो सकती है जब पता चले कि चीन के उत्तरी इलाकों में फैलने वाला वायरस म्यूटेशन से गंभीर बन गया है। हालांकि, चीनी नीति-नियंताओं की दलील रही है कि उत्तरी गोलार्ध में ठंड के मौसम में सांस की नली का संक्रमण आम बात है। फिर भी बताते हैं कोरोना का स्रोत माने जा रहे चीन में इस वायरस को लेकर गंभीरता देखी जा रही है और उसके नियंत्रण के लिये चीन के नेशनल डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्शन संस्थान की देखरेख में विशेष निगरानी सिस्टम बनाया गया है। चीन सरकार ने दिसंबर के तीसरे सप्ताह में उत्तरी प्रांतों में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों के इस वायरस से पीड़ितों की संख्या में वृद्धि के बाद यह कदम उठाया था। हालांकि, एचएमपीवी के स्रोत के बारे में अभी कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दरअसल, यह संक्रामक बीमारी दुनिया के विभिन्न देशों में किसी न किसी रूप में विद्यमान रही है। जिसमें खांसी व छींक से निकलने वाले थूक के कणों से यह वायरस फैलता है। ऐसे में संक्रमण से बचने के लिये हाथ मिलाने, दूसरों को छूने व गले मिलने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। यदि हम सावधानी न बरतें तो वायरस हमें संक्रमित कर सकता है। कोरोना वायरस से बचाव की ही तरह खांसने -छींकने पर कपड़ा या रूमाल रखने की सलाह दी जाती है। निरंतर कपड़े को बदलने तथा नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने की भी सलाह दी जाती है। जुकाम लगने पर मास्क पहनने तथा घर पर आराम करने की भी सलाह दी जाती है। साथ ही गुनगुना पानी पीने तथा पौष्टिक आहार की सलाह भी दी जाती है। निश्चित रूप से दमा व सांस की अन्य बीमारियों व दूसरे गंभीर रोगों से पीड़ितों के लिये यह वायरस कुछ परेशानी बढ़ा सकता है। लेकिन इसमें अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति कम ही आएगी। चिकित्सक के परामर्श से ही खांसी- बुखार की दवा लेने की सलाह दी जाती है। बहरहाल, चिकित्सा विशेषज्ञ इस वायरस से भयभीत न होने की सलाह लगातार दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस वायरस की खोज इस सदी के पहले ही वर्ष में हुई थी। वायरस का प्रसार चिड़ियाओं के जरिये हुआ था, जो इंसान को संक्रमित कर सकता था। इसकी दशकों से मौजूदगी के चलते लोगों में इसको लेकर एक स्तर तक रोग प्रतिरोधक क्षमता मौजूद है। यह एक सामान्य फ्लू की तरह बताया जा रहा है। हालांकि, इस वायरस के उन्मूलन के लिये कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। इसके विपरीत कोरोना ने इंसान को पहली बार संक्रमित किया था, कालांतर जिसने महामारी का रूप ले लिया था। वैसे दुनिया में चिंता इस वजह से है कि यह वायरस उसी चीन में फिर सामने आया, जहां से कोरोना का वायरस पूरी दुनिया में फैला था। हालांकि, सर्दियों के मौसम में आमतौर पर खांसी-जुकाम के मामले सामने आते हैं, लेकिन फिर भी सावधान रहने की जरूरत है।

मुख्य संपादक
विवेक धल्लम

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक विवेक धल्लम (गली नं. 1, वॉर्ड नं. 12, नजदीक एग्रो पेट्रोल पंप व तहसील, बाड़ी ब्राह्मणा, जम्मू व कश्मीर 181133) द्वारा शिवम् आफसेट प्रिंटिंग प्रेस, फव्वारा चौक (नजदीक जेएंडके बैंक) ग्रेटर कैलाश, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) से प्रकाशित।
संपादक
विवेक धल्लम
फोन- 9419180421, ईमेलः admin@jammunewsmission.com
नोटः इस अंक में प्रकाशित सामग्री से संपादक प्रकाशित का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जाएगा। सभी विवादों का निपटारा जम्मू संभाग की सीमा के अंतर्गत आने वाली सक्षम न्यायालयों व फोरमों में ही किया जाएगा।

ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

उमेश चतुर्वेदी

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है।

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं।

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है।

यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस-लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं।

हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है। हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। भाषाओं को जिंदा रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है। नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाए रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है। भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं। मरती हुई भाषाओं के लिए व्यक्तिगत की बजाय सामूहिक कोशिशें होनी चाहिए।

भाषाएं क्यों जरूरी हैं, इसे हमें अमेरिकी नारी वादी रीटा मे ब्राउन के शब्दों में समझ सकते हैं। रीटा कहती हैं, भाषा किसी भी संस्कृति का रोडमैप होती है। वह आपको बताती है कि इसे बोलने वाले लोग कहां से आते हैं

उपराज्यपाल ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की

जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, प्रमुख सचिव गृह चंद्राकर भारती, डीजीपी जेल विभाग दीपक कुमार, एडीजीपी मुख्यालय/समन्वय एम.के. सिन्हा, उपराज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी, पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय पीएचक्यू भीम सेन टूटी तथा पुलिस महानिरीक्षक अपराध डॉ. सुनील गुप्ता भी उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने 1 जुलाई 2024 से लागू होने वाले नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पुलिस कर्मियों और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के लिए किए गए व्यापक उपायों की समीक्षा की। उन्होंने इसके लिए समर्पित प्रयासों, आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने और विशेष रूप से जघन्य अपराधों, राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में सजा की दर बढ़ाने पर जोर दिया।

उपराज्यपाल ने कहा कि हमें पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए और त्वरित जांच और परीक्षण के लिए निर्धारित समयसीमा को पूरा करना चाहिए जैसा कि अधिनियम में रेखांकित किया गया है।

नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से पहले और बाद के समय का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना चाहिए तथा सूचना, शिक्षा, समाज कल्याण और विधि सहित विभिन्न विभागों के सहयोग से जन जागरूकता शिविरों के लिए कैलेंडर तैयार किया जाना चाहिए। नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए सेवा प्राधिकरण की स्थापना की गई है।

बैठक में विभिन्न तकनीकी हस्तक्षेपों, एसओपी और दिशा-निर्देशों की अधिसूचना, डोगरी और कश्मीरी भाषाओं में नए कानूनों का अनुवाद, एफएसएल वैन की खरीद और फोरेंसिक विशेषज्ञों, जेल कर्मियों और न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण के तहत हासिल की गई प्रगति पर भी चर्चा की गई।

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, विधि, न्याय और संसदीय मामले विभाग के सचिव अचल सेठी, जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी की निदेशक सोनिया गुप्ता, एसआईओ एनआईसी जसकरण सिंह मोदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

उपायुक्त जम्मू, मिशन निदेशक ने जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू

उपायुक्त जम्मू सचिन कुमार वैश्य और मिशन निदेशक जल जीवन मिशन जम्मू-कश्मीर खुर्शीद अहमद शाह ने जम्मू जिले में चल रही जल जीवन मिशन परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। बैठक के दौरान, अधीक्षण अभियंता हाइड्रोलिक सर्कल जम्मू बोधराज भगत ने अधिकारियों को जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में प्रगति के बारे में जानकारी दी। चल रही योजनाओं और मार्च 2025 तक पूरा करने के लिए निर्धारित लक्ष्यों पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई।

सभा को संबोधित करते हुए, उपायुक्त ने सहायक कार्यकारी इंजीनियरों और जूनियर इंजीनियरों को साइट-विशिष्ट मुद्दों को तुरंत हल करने और निर्धारित समय सीमा का पालन करने के लिए कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

मिशन निदेशक ने सभी लंबित योजनाओं को पूरा करने और कवर किए गए गांवों के लिए 100 प्रतिषत हर घर जल प्रमाणन प्राप्त करने की तात्कालिकता पर जोर दिया। उन्होंने मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

ट्यूबवेल की ड्रिलिंग, मशीनरी की खरीद और स्थापना, ओवरहेड टैंक, पंप रूम और पाइप बिछाने की गतिविधियों के निर्माण में तेजी लाने के लिए प्रमुख निर्देश जारी किए गए। उन्होंने सभी हितधारकों से निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने और जिला जम्मू में जेजेएम के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए लगन से काम करने का आग्रह किया।

समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंता मैकेनिकल शहरी सर्कल जम्मू सुनील गंडोत्रा, एईई मोहिंद्र मन्हास, सलाहकार सिविल और मैकेनिकल, कार्यकारी अभियंता, सहायक कार्यकारी अभियंता, जूनियर इंजीनियर सिविल और मैकेनिकल, डीपीएमयू जम्मू के अधिकारी और टीपीआई प्रतिनिधि शामिल हुए।

उपायुक्त राजौरी ने सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया, सेवाओं के वितरण का जायजा लिया

राजौरी

सार्वजनिक सेवाओं के वितरण को बढ़ाने और सरकारी अधिकारियों के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा के साथ ब्लॉक विकास कार्यालय राजौरी और कार्यकारी अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग के कार्यालय सहित सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया, जिसका उद्देश्य इन कार्यालयों के कामकाज की समीक्षा करना, कर्मचारियों की समय की पाबंदी और आचरण की जांच करना और आम जनता को सेवाएं प्रदान करने में किसी भी कमी को दूर करना था।

दौरे के दौरान, उपायुक्त ने उन आवेदकों से बातचीत की जो विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाने के लिए इन कार्यालयों में आए थे। उन्होंने उनके अनुभवों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछा, उन्हें शिकायतों को तुरंत हल करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। कर्मचारियों के साथ बातचीत करते हुए, उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने समय की पाबंदी और कुशल शिकायत निवारण तंत्र के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मनरेगा जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में जनता को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना चाहिए। मनरेगा के जिला कार्यक्रम समन्वयक के रूप में मैं इस प्रमुख कार्यक्रम के सुचारू और पारदर्शी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

उन्होंने बताया कि सार्वजनिक सेवाओं में सर्वोत्तम संभव सुधार सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। उपायुक्त ने कहा, निरीक्षण के दौरान पहचानी गई किसी भी खामी को ठीक किया जाएगा और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को सार्वजनिक शिकायतों के समय पर और कुशल समाधान को प्राथमिकता देने और व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए। उन्होंने सेवा वितरण में किसी भी अंतराल की पहचान करने और उसे दूर करने के लिए सक्रिय उपायों की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

जसरोटिया ने शहीद राइफलमैन मंगल सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की

कठुआ

जसरोटा भाजपा विधायक जसरोटा राजीव जसरोटिया ने रविवार को 15 जेएके आरआईएफ के शहीद राइफलमैन मंगल सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की जोकि 12 जनवरी 2002 को पुंछ सेक्टर में दुश्मनों से लड़ते हुए शहीद हो गए थे।

देश की शांति और अखंडता के लिए पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों के सर्वोच्च बलिदान की सराहना करते हुए जसरोटिया ने कहा कि डोगराओं ने बहुत बड़ा बलिदान दिया है। उन्होंने दृढ़ता, साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने बहुमूल्य जीवन का बलिदान दिया है।

उन्होंने कहा कि कंडी सीमा क्षेत्र और जम्मू संभाग के पहाड़ी इलाकों से आने वाले लोगों की सेना और अन्य अर्धसैनिक बलों में सेवा करने की समृद्ध परंपरा है जो उनके साहस, राष्ट्रवाद की भावना और देश के प्रति प्रेम को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि शहीद असली नायक हैं और हमें उनके बलिदान को हमेशा याद करना चाहिए। उन्होंने शहीद मंगल सिंह के परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शहीद को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि मंगल सिंह क्षेत्र के कई युवाओं के लिए एक आदर्श हैं और उन्होंने अपने जीवन का बलिदान देकर अपने देश के लिए ईमानदारी, समर्पण और प्रेम का सच्चा उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र को समृद्ध बनाने के लिए उसे अपने शहीदों और युद्ध के दिग्गजों को कभी नहीं भूलना चाहिए और कहा कि 1947, 1965, 1971 के युद्धों, कारगिल युद्ध और जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के नेतृत्व में वर्तमान युद्ध के दौरान डुग्गर द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदानों को याद रखना और उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।

जसरोटिया ने विश्वास जताया कि बहादुर नायकों का बलिदान युवाओं को दुनिया की सबसे बहादुर भारतीय सेना का हिस्सा बनने के लिए प्रेरणा देगा, जिसका वीरता का रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि वीरों की वीरता की गाथा ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है। जसरोटिया ने कहा कि शहीदों को सबसे अच्छी श्रद्धांजलि यही होगी कि भारत के पुनर्निर्माण और इसे विश्व गुरु बनाने के प्रयासों में शामिल हों, जिसका मिशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया है। इस अवसर पर कैप्टन ज्ञान सिंह पठानिया, कैप्टन मदन लाल, मंडल प्रधान दीपक शर्मा, सरपंच केवल, सरपंच कुलदीप गुप्ता, सरपंच योगेश, सरपंच राज कुमार सहित अन्य प्रमुख व्यक्तियों और ग्रामीणों ने शहीद मंगल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सरकारी विभागों के कामकाज की समीक्षा की, 100 दिन और एक साल के लिए मानक तय किए

जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में सभी सरकारी विभागों के कामकाज की व्यापक समीक्षा की।

बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, कैबिनेट मंत्री जाविद अहमद राणा, सकीना इत्तू तथा जाविद अहमद डार, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, सभी प्रशासनिक सचिव और वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल मोड के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक के दौरान, प्रत्येक प्रशासनिक सचिव ने दो विशिष्ट समय-सीमाओं-100 दिन और एक वर्ष के भीतर प्राप्त करने योग्य मानकों को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत विजन दस्तावेज प्रस्तुत किया। निर्धारित लक्ष्यों में प्रमुख नीतिगत निर्णय, पूरी की जाने वाली परियोजना और नई विकास परियोजनाओं की शुरूआत शामिल हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सभी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सख्त समयसीमा का पालन करने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि समय पर आपूर्ति जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने और विकास को गति देने की कुंजी है। इन मानदंडों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने निर्धारित समय सीमा के भीतर इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन को प्राथमिकता देने के लिए सभी विभागों से सामूहिक प्रयास करने का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधायकों के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया

जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जम्मू के सेंट्रल हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लोकसभा सचिवालय और जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा संयुक्त रूप से 9 से 11 जनवरी, 2025 तक किया जा रहा है। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की सावधानीपूर्वक योजना बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष की सराहना की।

जवाहरलाल नेहरू, अटल बिहारी वाजपेयी, सोमनाथ चटर्जी, इंद्रजीत गुप्ता, चंद्रशेखर और प्रणब मुखर्जी जैसे प्रख्यात सांसदों के योगदान पर विचार करते हुए उन्होंने संसद में उनके तीखे विश्लेषण, गहरी समझ और गरिमापूर्ण आचरण पर बात की।

उन्होंने विधायकों से इन प्रतिष्ठित नेताओं का अनुकरण करने और विधानसभा के विचार-विमर्श में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष एडवोकेट अब्दुल रहीम राथर ने अपने स्वागत भाषण में विधायकों को प्रक्रिया और कामकाज के संचालन के नियमों से परिचित कराने के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया।

विधानसभा के सचिव मनोज कुमार पंडित ने कार्यक्रम की शुरुआत में विधायकों की क्षमता निर्माण को प्राथमिकता देने के लिए अध्यक्ष को धन्यवाद दिया।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विधायकों को सदन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए लगन से काम करने और विधायी मानदंडों को समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने विधायकों को बजट निर्माण और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के बारे में जानकारी देने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे वंचित समुदायों को लाभ मिलता है।

तकनीकी सत्र में, प्राईड के निदेशक पी.के. मलिक ने संस्थान के उद्देश्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करते हुए विधायकों की क्षमता निर्माण में इसकी भूमिका के बारे में बताया। प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय जसवाल ने भारतीय विधानमंडलों में समिति प्रणाली पर व्याख्यान दिया, जिसमें समितियों के प्रभावी गठन और प्रबंधन के लिए सुझाव साझा किए।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने भी सभा को संबोधित किया और अपने दृष्टिकोण से सत्र को समृद्ध किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों को विधायी प्रक्रियाओं और शासन में उनके योगदान को बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना है।

पूर्व मंत्री और जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट के अध्यक्ष ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू

पूर्व मंत्री और जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट के अध्यक्ष हकीम मोहम्मद यासीन शाह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। राजौरी से पीओजेके विस्थापित व्यक्तियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी उपराज्यपाल से मिला, जिसका नेतृत्व भाजपा शरणार्थी प्रकोष्ठ के सह-संयोजक सुभाष शर्मा ने किया।

मुख्यमंत्री ने जम्मू में एनएसएस स्वयंसेवकों के पहले महिला राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन सत्र को संबोधित किया

महिलाओं को पहले ही चुनाव में वोट देने का अधिकार दिया गया-मुख्यमंत्री

जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस देश में शुरू से ही महिला सशक्तिकरण और मुक्ति का समृद्ध इतिहास रहा है क्योंकि इसका जन्म समानता के मूल विचार पर हुआ था।

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर में पद्मश्री पद्मा सचदेव राजकीय महिला महाविद्यालय में 'एनएसएस के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और मुक्ति' विषय पर सप्ताह भर चलने वाले पहले महिला राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन सत्र के दौरान अध्यक्षीय भाषण देते हुए यह बात कही।

सप्ताह भर चलने वाले इस शिविर का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा जीसीडब्ल्यू परेड और पीएसपीएस जीसीडब्ल्यू गांधीनगर जम्मू के सहयोग से किया गया था।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश समानता के सिद्धांतों पर जन्मा है और महिलाओं को पहले ही चुनाव में वोट देने का अधिकार दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा, इस देश ने उन देशों से पहले महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में देखा है जिन्होंने हमें सबक सिखाने की कोशिश की। हमारे देश में महिला प्रधानमंत्री थीं, जब कई विकसित देशों ने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। हमारे देश में एक से अधिक महिला राष्ट्रपति रहीं और वर्तमान में हमारे सर्वोच्च पद पर एक महिला आसीन हैं। हमारे देश में अतीत में एक महिला लोकसभा अध्यक्ष भी रही हैं, जो हमारे लोकतांत्रिक देश में महिला सशक्तिकरण और मुक्ति के आदर्शों के बारे में बहुत कुछ कहता है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एक क्षेत्र जहां हम अभी भी महिला सशक्तिकरण की कमी महसूस कर रहे हैं, वह है सार्वजनिक प्रतिनिधित्व। उमर अब्दुल्ला ने कहा, दुखद तथ्य यह है कि हम इस सशक्तिकरण को इसके तार्किक निष्कर्ष तक नहीं ले जा सके हैं। हम आरक्षण को आगे बढ़ने का रास्ता बताते रहते हैं, लेकिन वास्तविक सशक्तिकरण तब हासिल होगा जब महिलाएं आरक्षण पर निर्भर हुए बिना इस देश के दैनिक शासन और निर्णय लेने में समान संख्या में पदों पर आसीन होंगी। आखिरकार महिलाएं इस देश की आबादी का 50 प्रतिषत हिस्सा हैं, लेकिन निर्वाचित प्रतिनिधियों का 50 प्रतिषत हिस्सा नहीं हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 16 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों का जम्मू आने और इस शिविर में भाग लेने के लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि आप देश के जिस भी कोने में जा रहे हैं, कृपया हमारे राजदूत के रूप में जाएं और हमसे सद्भावना, प्रेम और मित्रता का संदेश लेकर जाएं। सभा को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि विभिन्न राज्यों के लोगों को एक छत के नीचे एक साथ भाग लेते देखना सुखद है।

उन्होंने आज के विविधतापूर्ण समाज में राष्ट्रीय एकीकरण के महत्व पर जोर दिया और युवा प्रतिभागियों को अपने समुदायों में शांति और एकता का दूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र और पेशे में आगे बढ़ रही हैं।

अपने संबोधन में, उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, शांतमनु ने शिविर के दौरान आयोजित मुख्य गतिविधियों के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी। निदेशक कॉलेज जेएंडके और राज्य निदेशक, एनएसएस, शेख एजाज ने इस अवसर पर शिविर का संबोधन प्रस्तुत किया।

समारोह के समापन सत्र के दौरान, मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं और प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामुदायिक सेवा परियोजनाएं, खेल प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और विभिन्न विषयों पर संवादात्मक सत्र सहित कई गतिविधियां आयोजित की गईं।

इस अवसर पर जम्मू क्लस्टर विष्वविद्यालय के उपकुलपति प्रोफेसर के.एस. चंद्रशेखर, क्षेत्रीय निदेशक एनएसएस और प्रिंसिपल जीसीडब्ल्यू गांधी नगर डॉ. सारस्वत, प्रिंसिपल जीसीडब्ल्यू परेड ग्राउंड डॉ. टिक्कू, कैंप कमांडर डॉ. गुरप्रीत कौर तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

जम्मू न्यूज़ मिशन

पीएमजीएसवाई चरण-4 जल्द ही शुरू किया जाएगा-उपमुख्यमंत्री

जम्मू

महत्वाकांक्षी पहल 'पीएमजीएसवाई' का चौथा चरण जल्द ही जम्मू और कश्मीर में छूटे हुए क्षेत्रों को जोड़ने के लिए शुरू किया जाएगा।

यह जानकारी उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दी गई।

बैठक में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की निदेशक रीना नज़र, निदेशक वित्त आरएंडबी मज़हर हुसैन, पीएमजीएसवाई जम्मू/कश्मीर के मुख्य अभियंता और पीएमजीएसवाई-4 के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा दिसंबर 2000 में शुरू होने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पीएमजीएसवाई के कार्यान्वयन ने ग्रामीण लोगों की आय में सुधार करने में काफ़ी मदद की है। जनगणना 2001 के अनुसार पीएमजीएसवाई-1 के तहत लगभग 99.5 प्रतिषत पात्र बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। ग्रामीण विकास और सामाजिक-आर्थिक प्रगति के कारण हाल के दिनों में बड़े आकार में आ गई कुछ बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कों के ज़रिए कनेक्टिविटी की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि इन बस्तियों को कवर नहीं किया जा सका और इसके लिए विशेष हस्तक्षेप की ज़रूरत है और जम्मू-कश्मीर सरकार केंद्र शासित प्रदेश में पीएमजीएसवाई के चरण-4 को शुरू करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है।

बैठक में बताया गया कि जम्मू-कश्मीर की लगातार मांग पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 2011 की जनगणना को असंबद्ध बस्तियों की पात्रता का आधार मानते हुए ग्रामीण आबादी को सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए पीएमजीएसवाई-4 शुरू करने का प्रस्ताव दिया है।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि 2011 की जनगणना के अनुसार कोई भी पात्र बस्ती मानचित्रित न रह जाए और इस संबंध में मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप अपेक्षित सर्वेक्षण पूरा किया जाए।

बैठक में बताया गया कि 2011 की जनगणना के अनुसार 250 से अधिक जनसंख्या वाली 1500 में से 700 बस्तियों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

यह भी बताया गया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 सितंबर, 2024 को पीएमजीएसवाई-4 को मंजूरी दे दी है, ताकि 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या वृद्धि के मद्देनजर पात्र हो चुकी असंबद्ध ग्रामीण बस्तियों को जोड़ा जा सके, जिसे 2024-25 से 2028-29 तक लागू किया जाएगा।

बैठक में यह भी बताया गया कि मंत्रालय ने पीएमजीएसवाई-4 के असंबद्ध बस्तियों की डिजिटल मैपिंग के लिए पीएमजीएसवाई ग्राम सड़क ऐप नामक मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया है। तदनुसार, विभाग ने पीएमजीएसवाई ग्राम सड़क ऐप का उपयोग करके 2011 की जनगणना के अनुसार पात्र बस्तियों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए सड़क परियोजना के संरेखण को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

HELP LINE

Important Telephone Nos.	
Civil Secretariat	2547365-69
Jammu University	2435259,2435248
RRL, Jammu	2544382, 2549051
Army	2432453, 2432653
Municipality Jn. Lines	2578503, 18001803333
Passport Office	2433359
Postal Services	
H.P.O. City	2543606
Gandhi Nagar	2435863
Fire Services	
City	2544263
Gandhi Nagar	2457705
Canal	2554064
Gangyal	2480026
Cooking Gas dealers	
Chenab Gas	2547633
Gulmour Gas	2430835
H.P. Gas	2578456
Jakfed	2548297
Shivangi Gas	2577020
Tawi Gas	2548455
Power House	
Gandhi Nagar	2430180
Canal Road	2554147
Janipur	2533359
Nanak Nagar	2430776
Parade	2542289
Satwari (Jammu Cantt.)	2452813
City Hospitals	
G.M.C Jammu	2584290, 91. 94, 2584211, 25
GMC Causality	2575364
S.M.G.S. Jmu	2547635, 258477
Govt. Hosp. G. Nagar	2430041,2431740
Dental Hospital Jmu	2544670
Psychiatric Disease Hos.	2577444
Ascoms Sidhra	262251, 262267, 262536, 39
B.N. Charitable	2555631, 2505310
Vivekanand Hospital	2547418
G.B. Pant Hosp. Satwari	2433500
Military Hospital Sat.	2435572
Police Station, Jammu City	
Bagh-e-Bahu	2459777

Bakshi Nagar	2580102
Bus Stand	2566499
City	2543688
Gandhi Nagar	2430528
Gangyal	2481204
Nowabad	2565274
Pacca Danga	2448610
Railway Station	2472870
Saink Colony	2468666
Satwari	2430364
Channi Himmat	2465164
Transport Nagar	2475444
Trikuta Nagar	475133, 2470679
G. Nagar	2459660
S.S.P. City	2547807
S.P. South	2433778
SSP TRAFFIC JAMMU	0191-2578774
Police Control Room	100
Airlines	
Air Port	2450520,21,2430449
Indian Airlines	2574312
Spice Jet	2431887
Go Air	2435668
Kingfisher	2432651
Jet Airways	2453999
Railways	
Railway Enquiry	131,132,2476407
Booking	2470318
Reservation	2470315
Telecom Department	
Directory Enquiry	197
Fault Repair	180
Billing Complaint	2543896
Trikuta Nagar Exchange	2470000
Raj Bhawan Jammu	
H.E THE GOVERNOR, J&K	2560225
PVT. SECY. TO H.E.G 2544939/2560225/2452201	
CHIEF MINISTER'S SECRETARIAT JAMMU	
CM	2546766/2560203
PRINCIPAL SECY. TO C.M	2544017/2542159
ADVISOR TO C.M	2560239
PVT. SECY. TO C.M	2546466/2540421

CREMATION-SMITI SERVICES JAMMU	
SEWA-SAMITI (HEAD OFFICE) 2573905	
COURIER SERVICE	
BLUE DART	2432806
DHL	94191-90329
AHL	94191-90329
LINKER COURIER	94191-88398
JUST CALL INFO	2476060
NATIONAL HELP DESK CALL	094192-22222
FAROOQ JI (SECRETARY TO ADGP)	9149598407
CHIEF ENGINEER PWD JAMMU	0191-2471788
CHIEF ENGINEER PHE JAMMU	0191-2547586, 2544356
CHIEF ENGINEER PDD JAMMU	0191-2545061
DC OFFICE JAMMU	0191-2544366
RAILWAY ENQUIRY	1800111321
AIRPORT ENQUIRY JAMMU	0191-2437843
ISBT ENQUIRY JAMMU	0191-2435262
RTO JAMMU	0191-2472490
SHARAT CHANDER KHAJURIA AN INTERNATIONAL ACADEMIC SCHOLAR	9419127999
PROF. (DR.) KESHAV SHARMA VICE-CHANCELLOR THE ICFAI UNIVERSITY HIMACHAL PRADESH	9469211211
SANJAY GANDOTRA DEFENCE BUSINESS CONSULTANT	6006619429
ANIL KAPAHI BUSINESS TYCOON AND SECRETARY AMAR SINGH CLUB	9419199999
KULDEEP KAUL INTERNATIONAL BUSINESS TYCOON	9811156926
BHUPINDER SINGH (IAS) COMMISSIONER HEALTH SERVICES	94190112477
BRIJ MOHAN SHARMA CHIEF CONSERVATOR FOREST UDHAMPUR	9419144300
S. OPINDERJEET SINGH (KAS) FINANCE DIRECTOR PDD	9419019026
DR. ASHOK VAID (ONCOLOGIST) DIRECTOR MADANTA HOSPITAL	9810212235
DR. KULBUSHAN GUPTA HOD RADIOLOGY	9419190360
GROUP CAPT. KULOWANT SINGH	7889794904
COL PRITHVIRAJ	9419281250
DR. RAJESH SINGH (VET DOCTOR, CAMEL EXPERT, WORKING WITH SHEIKHS) DUBAI	+971567237345
COL. BRIJ BHUSHAN SINGH	8130702061

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सूचना तक नागरिकों की पहुंच को आसान बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया

जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में जम्मू-कश्मीर सूचना का अधिकार ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया, जो शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लॉन्च कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, कैबिनेट मंत्री सकीना इत्तू, जावेद अहमद राणा और जावेद अहमद डार, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रशासनिक सचिव और वरिष्ठ अधिकारी भी षामिल हुए।

अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिकों के लिए आरटीआई आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने में इसकी परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देते हुए पोर्टल को विकसित करने में शामिल अधिकारियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा, यह पहल आरटीआई अधिनियम के तहत सरकारी सूचनाओं तक आसान पहुंच प्रदान करेगी, नागरिकों को अधिक तेज, अधिक पारदर्शी और लागत-कुशल तंत्र के साथ सशक्त बनाएगी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से इस पहल का व्यापक प्रचार सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया ताकि जम्मू-कश्मीर के नागरिक इसके लाभों के बारे में जागरूक हो सकें।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र जम्मू-कश्मीर द्वारा विकसित यह पोर्टल मैनुअल से ऑनलाइन आरटीआई आवेदनों की ओर बदलाव लाता है। यह बदलाव नागरिकों को आरटीआई अनुरोध प्रस्तुत करने, उनकी स्थिति को ट्रैक करने और इलेक्ट्रॉनिक रूप से जवाब प्राप्त करने में सक्षम बनाता है, जिससे सरकारी कार्यालयों में भौतिक रूप से जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

इससे पहले, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव एम. राजू ने पोर्टल की विशेषताओं पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें इसकी पहुंच, सुविधा, प्रसंस्करण की गति, लागत दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

उन्होंने पोर्टल की प्रमुख कार्यात्मकताओं को रेखांकित किया, जिसमें इसका उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफ़ेस, सुव्यवस्थित आरटीआई वर्कफ़्लो और मजबूत दस्तावेज़ीकरण सुविधाएँ शामिल हैं। पोर्टल की एक अनूठी विशेषता आवेदकों को भविष्य के संदर्भ के लिए एसएमएस और ईमेल के माध्यम से पंजीकरण संख्या जारी करना है, जिससे आरटीआई आवेदनों की आसान ट्रैकिंग संभव हो पाती है।

पोर्टल 61 सरकारी विभागों, 272 नोडल अधिकारियों/सार्वजनिक प्राधिकरणों, 720 प्रथम अपीलीय प्राधिकरणों और 3,419 केंद्रीय लोक सूचना अधिकारियों और लोक सूचना अधिकारियों को एकीकृत करता है, जिससे व्यापक कवरेज सुनिश्चित होता है और नागरिकों को सरकार की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है।

जम्मू संभागीय आयुक्त ने विस्थापित व्यक्तियों और पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों के लिए वित्तीय सहायता योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा की

जम्मू

संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार ने विस्थापित व्यक्तियों और पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों हेतु वित्तीय सहायता योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जम्मू, सांबा और कठुआ के उपायुक्तों और प्रांतीय पुनर्वास अधिकारी जम्मू ने भाग लिया, जिसमें योजना के लिए पात्र छूटे हुए लाभार्थियों को आमंत्रित करने और खोजने के लिए संबंधित जिला प्रशासन द्वारा किए गए नवीनतम प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

संभागीय आयुक्त ने छूटे हुए पात्र डीपी और डब्ल्यूपीआर का पता लगाने के लिए आयोजित शिविरों, प्रतिभागियों, जन संपर्क पहलों और घर-घर जाकर किए गए अभ्यासों का जिलावार विवरण मांगा।

उपायुक्तों ने संभागीय आयुक्त को नवीनतम शिविरों और जांच के लिए प्राप्त मामलों की संख्या से अवगत करवाया।

संभागीय आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जन संपर्क कार्यक्रमों के दौरान प्राप्त आवेदनों को उचित जांच के बाद आगे की कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत करें।

उन्होंने आगे निर्देश दिया कि उनके द्वारा निपटाए गए मामलों को सार्वजनिक नोटिस और प्रकाशनों के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में रखा जाए। उन्होंने जनवरी के अंत तक सभी पात्र मामलों को उच्च अधिकारियों के पास उनकी मंजूरी के लिए प्रस्तुत करने पर भी जोर दिया।

उपायुक्त किश्तवाड़ ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

किश्तवाड़

उपायुक्त किश्तवाड़ राजेश कुमार शवन ने डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स के कॉन्फ्रेंस हॉल में संबंधित विभागों और अन्य हितधारकों की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें गणतंत्र दिवस 2025 समारोह की तैयारियों पर चर्चा की गई।

इसमें बताया गया कि मुख्य समारोह चौगान किश्तवाड़/मिनी सचिवालय डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स में मौसम की स्थिति के आधार पर आयोजित किया जाएगा, जबकि स्थानीय प्रशासन उप-मंडल, ब्लॉक और तहसील स्तर पर समारोह आयोजित करेगा।

उपायुक्त ने विभागों के जिला प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जिला मुख्यालयों के साथ-साथ एसडीएम, तहसील और ब्लॉक स्तर पर गणतंत्र दिवस समारोहों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

गणतंत्र दिवस समारोह के लिए ध्वजारोहण, मार्च-पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बैठने की व्यवस्था, मंच की व्यवस्था, स्थल की तैयारी और जलपान की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई।

यह भी बताया गया कि दिन की शुरुआत शहनाई वादन के साथ होगी।

इसके अतिरिक्त, पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। संबंधित विभागों को पानी और बिजली आपूर्ति, चिकित्सा सुविधाएं, स्वच्छता, परिवहन, यातायात विनियमन, सरकारी भवनों की रोशनी, दमकल गाड़ियों की तैनाती, बैठने की व्यवस्था और निमंत्रण वितरण के लिए पर्याप्त प्रावधान करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने विभिन्न विभागों को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी तथा व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए कई समितियों का गठन किया।

नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने अन्य हितधारकों के साथ मिलकर जिले में गणतंत्र दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

बैठक में एसएसपी किश्तवाड़ जावेद इकबाल, एडीसी किश्तवाड़ पवन कोतवाल, पीओ आईसीडीएस ऋषि कुमार शर्मा, एसीआर किश्तवाड़ इदरीस लोन, एसीडी किश्तवाड़ फुलैल सिंह, डीआईओ किश्तवाड़ डॉ. कुलदीप कुमार, तहसीलदार किश्तवाड़ निर्भय शर्मा, एडी एफसीएसएंडसीए किश्तवाड़ शफकत अली कीन, कार्यकारी अभियंता जल शक्ति, जिला अधिकारी, सीआरपीएफ/सीआईएसएफ के अधिकारी तथा विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों और विद्युत परियोजनाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए।

जम्मू न्यूज़ मिशन

सतीश शर्मा ने केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात की

अंतर्देशीय जलमार्गो, शहरी जल परिवहन से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं पर चर्चा की

असम

एफसीएस एवं सीए, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआरआई एवं प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा ने केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर में अंतर्देशीय जलमार्गों एवं शहरी जल परिवहन के विकास के संबंध में विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

शुरू में, मंत्री ने झेलम नदी में नदी समुद्र-विहार पर्यटन के लिए जेटी, चेनाब, झेलम एवं रावी नदी के उचित नौवहन एवं संचालन के लिए छत्तबल वीयर की मरम्मत सहित जल परिवहन अवसंरचना एवं अंतर्देशीय जलमार्गों से संबंधित विशेष परियोजनाओं की घोषणा के लिए आभार व्यक्त किया।

बातचीत के दौरान, मंत्री ने बंदरगाह मंत्रालय के भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के तहत जम्मू एवं कश्मीर में जलमार्गों/जल निकायों के विकास की अपार संभावनाओं पर जोर दिया। शिपिंग और जलमार्ग के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री का ध्यान विश्व प्रसिद्ध झीलों जैसे डल, निगीन, मानसबल, अंचर, मानसर, सुरिनसर, रंजीत सागर और सिंध, झेलम, चिनाब, रावी, मुनव्वर तवी जैसी प्रमुख जल निकायों की ओर आकर्षित किया, जो टिकाऊ परिवहन और पर्यटन दोनों के लिए बहुत बड़ी संभावनाएँ रखते हैं।

उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने और अखनूर, राजौरी, पुंछ, रियासी, कठुआ चिनाब घाटी, गुरेज, गांदरबल, कुपवाड़ा सहित ग्रामीण/सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण झीलों जैसे डल, वुलर, निगीन, सुरिनसर, मानसर और झेलम, चिनाब और रावी नदियों के लिए जहाजों की व्यवस्था करने के अलावा झीलों पर जेटी/व्यू प्वाइंट का निर्माण, झेलम, सिंध, चिनाब, रावी, मुनव्वर तवी आदि महत्वपूर्ण नदियों में यात्री परिवहन मनोरंजक गतिविधियों की स्थापना के लिए बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करने का आग्रह किया।

सतीश शर्मा ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुछ क्षेत्रों में जलमार्ग परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, अनुसंधान, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के लिए जम्मू-कश्मीर में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना, जम्मू-कश्मीर में आईडब्ल्यूएआई के क्षेत्रीय/उप-कार्यालय की स्थापना, जम्मू-कश्मीर में अन्य नदियों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित करने का भी अनुरोध किया।

विस्तृत चर्चा के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने मंत्रालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आष्वासन दिया और कहा कि निकट भविष्य में और भी कई परियोजनाएं आने वाली हैं, जो जम्मू-कश्मीर में अंतर्देशीय जल परिवहन बुनियादी ढांचे का विकास और संवर्धन करेंगी।

उपायुक्त ने स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणपत ब्रिज डोडा में सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया

डोडा

उपायुक्त डोडा हरविंदर सिंह ने स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा और गणपत ब्रिज का व्यापक दौरा किया और चल रहे निर्माण और सौंदर्यीकरण परियोजनाओं की प्रगति का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान, उपायुक्त ने स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे कायाकल्प कार्य की समीक्षा की, गणतंत्र दिवस समारोह से पहले इसके सौंदर्य और कार्यात्मक आकर्षण को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पुल के पास निर्माणाधीन वॉकवे, पार्किंग सुविधाओं, रिवरफ्रंट पार्क और सेल्फी पॉइंट के विकास का भी आकलन किया, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार करना है।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में, डीसी ने निष्पादन एजेंसी को उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण मानकों को बनाए रखते हुए काम की गति में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने समारोह के दौरान सुरक्षा और पहुंच को आसान बनाने के लिए गणतंत्र दिवस से पहले स्टेडियम के मुख्य द्वार को स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया।

इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को मंडप क्षेत्र में मुख्य मंच का जीर्णोद्धार करने और सुरक्षा और सौंदर्य को बढ़ाने के लिए मंच के चारों ओर रेलिंग का काम पूरा करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने संबंधित एजेंसी को स्टेडियम के बैठने की जगह पर कोटा स्टोन के काम में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा, उपायुक्त ने गणतंत्र दिवस समारोह के लिए परिसर को नया रूप देने के लिए स्टेडियम की दीवारों और आंतरिक क्षेत्रों को तिरंगे से रंगने पर जोर दिया।

उन्होंने स्टेडियम में प्रमुख स्थानों पर समारोह से संबंधित होर्डिंग और बैनर समय पर लगाने का भी निर्देश दिया।

जम्मू-कश्मीर में प्रमुख विकास परियोजनाओं को वन मंजूरी दी गई

जावेद अहमद राणा ने आक्रामक वनरोपण के निर्देश दिए

जम्मू

जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू-कश्मीर में विकास को गति देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के लिए वन मंजूरी दे दी। ये मंजूरी केंद्र शासित प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विस्तार और आर्थिक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की दिशा में एक बड़ा कदम है, साथ ही साथ पर्यावरण संबंधी मुद्दों को भी हल किया जाएगा।

स्वीकृत परियोजनाओं में जल आपूर्ति योजनाएं भट्टन, केवा, अमरोथी, दारसू गुड्डर आदि शामिल हैं, जिनका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आवश्यक बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। बाबेटी में 4जी संतृप्ति परियोजना को भी मंजूरी दे दी गई है, जिससे दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने पर सरकार का ध्यान केंद्रित हो गया है।

इसके अतिरिक्त, 400 केवी एस/सी दुलहस्ती से किशनपुर ट्रांसमिशन लाइन के पुनर्मार्ग को आगे बढ़ाया गया है, जिससे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुचारू विद्युत संचरण और बेहतर ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित होगी।

उन्होंने अधिकारियों को किसी भी पारिस्थितिक असंतुलन को रोकने, सतत विकास और बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आक्रामक प्रतिपूरक वनीकरण करने का निर्देश दिया।

मंत्री जावेद राणा ने मंजूरी की घोषणा करते हुए क्षेत्र की विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने में इन परियोजनाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इन परियोजनाओं के लिए वन मंजूरी पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए जम्मू और कश्मीर में विकास को तेज करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचाने वाले तरीके से विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पर्यावरण मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए इन परियोजनाओं की सावधानीपूर्वक समीक्षा की गई है, जो विकास और संरक्षण के लिए सरकार के संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा उपायों से समझौता किए बिना मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए वन विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों की सक्रिय कोशिशों की भी सराहना की। ये मंजूरियाँ सरकार के न्यायसंगत विकास के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जो उन परियोजनाओं को प्राथमिकता देती हैं जो लंबे समय से चली आ रही बुनियादी ढाँचे की कमियों को दूर करती हैं और निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाती हैं। मंत्री राणा ने इन परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया और आश्वासन दिया कि प्रशासन देरी से बचने के लिए उनकी प्रगति की बारीकी से निगरानी करेगा। मंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश में विकास के अवसरों का विस्तार करने और बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पहल एक अधिक जुड़े हुए और संसाधन-कुशल जम्मू और कश्मीर का मार्ग प्रशस्त करेगी। ये मंजूरियाँ ऐसे समय में मिली हैं जब सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के उत्थान के प्रयासों को दोगुना कर रही है, और यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास जमीनी स्तर तक पहुँचे। इन स्वीकृतियों के साथ, मंत्रालय ने क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करते हुए, क्षेत्र के विकासात्मक परिदृश्य को बदलने के अपने संकल्प को प्रदर्शित किया है।

हिमायत पूर्व छात्र सम्मेलन मीट

हिमायत योजना जम्मू-कश्मीर में युवाओं के उत्थान के लिए गेम चेंजर साबित हो रही है-जावेद डार

नौकरी बाजार के नए रुझानों के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रदान करने पर जोर

जम्मू

कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने हिमायत योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव की सराहना की, और युवाओं को नौकरी बाजार के लिए सशक्त बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

हिमायत के पूर्व छात्र सम्मेलन 2025 में बोलते हुए, जहां कई लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं, मंत्री ने हर उपलब्धि के पीछे अक्सर अनदेखा किए जाने वाले संघर्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हर सफलता की कहानी के पीछे एक संघर्ष होता है। जबकि लोग शानदार नतीजों को देखते हैं, वहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत और चुनौतियों का सामना करना अनकहा रह जाता है। आज, अपनी सफलता की कहानियां साझा करने वाले बच्चों ने हमें दिखाया है कि संघर्ष पहचान को आकार देता है और जीवन के मूल्यवान सबक सिखाता है।

चुनाव और सहकारिता विभागों के लिए भी काम करने वाले जावेद डार ने कहा कि हिमायत योजना का सफल क्रियान्वयन युवाओं खासकर जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण इलाकों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो रहा है।

उन्होंने बेहतर रोजगार संभावनाओं के लिए नवीनतम नौकरी बाजार के रुझानों के अनुरूप युवाओं के कौशल विकास पर जोर दिया।

मंत्री ने रेखांकित किया कि हिमायत योजना को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, नौकरी चाहने वालों को बहुत फायदा होगा अगर उन्हें कुशल और प्रशिक्षित किया जाए, जिससे वे अपनी आजीविका कमा सकें।

जावेद डार ने क्षमता निर्माण पहलों को मजबूत करने के लिए अधिक जवाबदेही और व्यापक दायरे का आग्रह किया।

मंत्री ने तेजी से बढ़ते देश में कौशल विकास के महत्व पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा, 1.5 अरब की आबादी वाला भारत सबसे तेजी से बढ़ते विकसित देशों में से एक है। आने वाले वर्षों में रोजगार के कई अवसर आएंगे और प्रशिक्षण तथा कौशल विकास के माध्यम से व्यक्तियों को तैयार करना आवश्यक है।

मंत्री ने जिला स्तर के अधिकारियों से योजना का व्यापक प्रचार सुनिश्चित करने का आह्वान किया, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। उन्होंने कहा, योजना से अधिक युवाओं को लाभ मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रचार महत्वपूर्ण है।

हिमायत पहल में भविष्य में अनगिनत सफलता की कहानियां गढ़ने की क्षमता है। पिछले ढाई महीनों में सरकार के प्रयासों पर विचार करते हुए मंत्री ने जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने आष्वासन दिया, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया है कि हर कल्याणकारी योजना लोगों तक पूरी लगन से पहुंचे।

हिमायत एक अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है और जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगी, हम इसे सफल बनाने के लिए किसी भी कमी और चुनौती का समाधान करेंगे। मंत्री ने कहा कि यह पहल न केवल व्यक्तियों को अपने भविष्य के बारे में सकारात्मक सोचने में मदद करेगी, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अपने जीवन को बदलने में भी सक्षम बनाएगी।

आरडीडी एवं पीआर विभाग की सचिव रचना शर्मा ने युवाओं को सशक्त बनाने और उनके भविष्य को आकार देने में शिक्षा, विशेष रूप से व्यावसायिक प्रशिक्षण की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया।

हिमायत कार्यक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, हिमायत वास्तव में कौशल-आधारित शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण के बारे में है। यह पहल स्थानीयकरण के बड़े दृष्टिकोण का हिस्सा है, जो हमारे युवाओं की कच्ची क्षमता को मूल्यवान कौशल में बदल देती है, जिसका उपयोग देश भर के उद्योग और यहां तक कि वैश्विक स्तर पर भी करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने विदेश में अवसर प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के उदाहरण देते हुए कहा, जैसा कि हमारे एक सहकर्मी ने सही कहा है, हिमायत के लाभार्थियों को अब विदेश में काम करने के अवसर मिल रहे हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव मिल रहे हैं।

यह कार्यक्रम की सफलता का प्रमाण है। हिमायत के मुख्य परिचालन अधिकारी रजनीश गुप्ता ने पूर्व छात्र सम्मेलन के दौरान कार्यक्रम के प्रभाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की और जम्मू-कश्मीर में युवाओं को सशक्त बनाने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

गुप्ता ने कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा, अब तक, हिमायत ने 34,000 से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है और उनमें से लगभग 14,000 को सफलतापूर्वक रोजगार मिला है। उन्होंने कहा, वर्तमान में, पूरे केंद्र शासित प्रदेश से कई युवा व्यक्ति हमारे केंद्रों में प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो जम्मू-कश्मीर के भीतर और बाहर दोनों जगह स्थित हैं।

ये केंद्र केवल प्रशिक्षण सुविधाएं नहीं हैं, वे परिवर्तन के केंद्र हैं, जो युवा दिमागों को उन कौशलों से लैस करते हैं जिनकी उन्हें अवसरों को भुनाने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने आईआईटी जम्मू के सहयोग से एक परामर्श-सह-कॉल सेंटर का भी ई-उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में ग्रामीण स्वच्छता महानिदेशक अनु मल्होत्रा, आरडीडी जम्मू के निदेशक मुमताज अली, जेकेआरएलएम की मिशन निदेशक शुभ्रा शर्मा, पंचायती राज निदेशक जम्मू-कश्मीर शाम लाल, आईडब्ल्यूएमपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश कुमार, अतिरिक्त सचिव वसीम राजा उपस्थित थे।

नवनिर्वाचित विधायकों के लिए तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

अध्यक्ष ने विधायकों से सदन की कार्यवाही में नियमों, प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी के साथ भाग लेने का आह्वान किया

जम्मू

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए जम्मू विधानसभा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने कहा कि विधायकों को सदन की कार्यवाही में सदन के नियमों और प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी के साथ सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

अध्यक्ष ने भाग लेने वाले सभी सदस्यों, विशेषकर नवनिर्वाचित सदस्यों को उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने और संसाधन व्यक्तियों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम नवनिर्वाचित सदस्यों को सदन में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों को गहराई से समझने में मदद करेगा। उन्होंने दोहराया कि यह सतर्क विधायिका ही है जो कार्यपालिका को उसके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जवाबदेह बना सकती है।

अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित सदस्यों से सदन में गरिमापूर्ण तरीके से व्यवहार करने और संसदीय लोकतंत्र का सही अर्थों में पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवनिर्वाचित सदस्यों ने विधानसभा में अपनी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाया होगा।

अध्यक्ष ने इस तरह के उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सांसदों और प्राइड टीम को भी धन्यवाद दिया।

इससे पहले पूर्व राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने संसदीय विशेषाधिकार, रीति-रिवाज, परंपराएं और शिष्टाचार पर व्याख्यान दिया।

निदेशक प्राइड, लोकसभा सचिवालय पी.के. मलिक ने भी व्याख्यान दिया और विशेषाधिकारों के शाब्दिक अर्थ तथा विधायकों की स्थिति और प्रोटोकॉल की सुरक्षा में इसके दायरे के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. सत्य प्रकाश ने वन नेशन वन एप्लीकेशन के तहत नेवा यानी राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के सत्र पर व्याख्यान दिया और कार्यक्रम के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला।

सत्र के दौरान विधायकों ने विशेषाधिकार और अन्य संबंधित मुद्दों के बारे में अपने प्रश्न भी उठाए। अंत में, जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सचिव मनोज कुमार पंडित और पी.के. मलिक ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाग लेने वाले सदस्यों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित प्राइड के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

बाद में, अध्यक्ष ने सांसदों और प्राइड टीम को सम्मानित किया।

प्राइड के निदेशक ने अध्यक्ष को स्मृति चिह्न भी भेंट किया।

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि के जातकों को इस सप्ताह सावधानी हटी, दुर्घटना घटी का मूल मंत्र हमेशा याद रखना होगा। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो कार्यक्षेत्र में अपने कार्य को सुचारू रूप से समय पर निबटाने का प्रयास करें अन्यथा आपको अपने सीनियर के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपको घर और बाहर दोनों जगह अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से करने की आवश्यकता है। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी भी कार्य को जल्दबाजी में अथवा आधे-अधूरे मन से न करें अन्यथा बनता काम भी बिगड़ सकता है। इस सप्ताह वाहन चलाते समय खूब सावधानी बरतें क्योंकि चोट लगने की आशंका है। सप्ताह के मध्य में आप पर घरेलू समस्याओं को लेकर मानसिक दबाव बना रहेगा। इस दौरान किसी परिजन के साथ वाद-विवाद होने की भी आशंका है। क्रोध में आकर किसी के साथ गलत व्यवहार करने से बचें अन्यथा बाद में पछतावा करना पड़ सकता है। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। सप्ताह के पूर्वार्ध में आय तो होगी लेकिन खर्च की अधिकता उससे कहीं ज्यादा बनी रहेगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को लेनदेन में सावधानी बरतनी होगी।

वृष राशिः वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्यों को पूरा करते समय कुछ बाधाएं आ सकती हैं, जिनके कारण आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके स्वभाव में क्रोध और झुंझलाहट बनी रहेगी। इस दौरान लोगों के साथ आप अपना व्यवहार सही रखें अन्यथा वर्षों से बने संबंध में दरार आ सकती है। किसी भी कार्य को करते समय सकारात्मक सोच बनाए रखें और उसे अधूरा न छोड़ें। सप्ताह के मध्य में आपको अचानक से करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है। यात्रा थकान भरी और अपेक्षा से कम फलदायी रहेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह समय थोड़ा प्रतिकूल रह सकता है। इस दौरान मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने पर लापरवाही न बरतें और समय पर इलाज कराएं अन्यथा आपको मानसिक और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ सकती है। इस दौरान कार्य की अधिकता के कारण आप पर काफी दबाव बना रह सकता है। रिश्ते-नाते को बेहतर बनाए रखने के लिए लोगों के साथ संवाद बनाए रखें। पारिवारिक मामलों को हल करने के लिए वरिष्ठ व्यक्ति यों की सलाह को नजरंदाज न करें। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं।

मिथुन राशिः मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह काफी आपाधापी भरा रहने वाला है। इस सप्ताह आपके सिर पर अचानक से कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी। प्रोफेशनल्स के लिए पूर्वार्ध का समय थोड़ा कठिनाई लिए रह सकता है। इस दौरान आपको अपने काम किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने की भूल नहीं करनी चाहिए। साथ ही साथ अपनी योजनाओं का महिमामंडन करने की बजाए उसे गुप्त रूप से पूरा करने का प्रयास करना चाहिए, अन्यथा विरोधी उसमें अड़ंगे लगा सकते हैं। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह मध्यम फलप्रद है। सप्ताह के पूर्वार्ध में खर्चों में वृद्धि होने की आशंका है। इस सप्ताह धन और ऊर्जा का प्रबंधन करके चलना बेहतर रहेगा। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे लोगों को मनचाहा परिणाम प्राप्त करने के लिए अधिक परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। इस सप्ताह प्रेम संबंध में किसी बात को लेकर लव पार्टनर के साथ दूरियां बनी रहेंगी। अपने वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाने के लिए अपने बिजी शेड्यूल से कुछ समय जीवनसाथी के लिए जरूर निकालें और उसकी भावनाओं की कद्र करें।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको किसी प्रिय व्यक्ति से सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। कामकाजी महिलाओं को संस्था की तरफ से मनचाहा प्रमोशन अथवा मनचाही जगह पर तबादले का पुरस्कार मिल सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय धार्मिक-सामाजिक कार्यों में बीतेगा। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग मिलेगा। कुल मिलाकर इस सप्ताह आपको सभी क्षेत्रों में उन्नति के अवसर मिलेंगे और आपका समय सुखद व्यतीत होगा। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए शुभ साबित होगा। व्यवसाय में मनचाहा लाभ होगा। कारोबार के विस्तार की योजनाएं फलीभूत होंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों का क्रय कर सकते हैं। भूमि-भवन का सुख प्राप्त होगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी प्रिय व्यक्ति के आगमन से घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा। प्रेम संबंध में आत्मीयता एवं निकटता बढ़ेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में घर में मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकते हैं। विवाह योग्य युवक-युवतियों का रिश्ता तय हो सकता है। दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

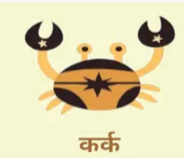

सिंह राशिः सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने काम बनाने के लिए उन लोगों की भी मदद लेनी पड़ सकती है, जिसे आप बिल्कुल भी पसंद नहीं करते हैं। सप्ताह की शुरुआत काफी आपाधापी भरी रहने वाली है। इस दौरान आपको छोटे-छोटे कार्य को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करने पड़ेंगे। कामकाज में अचानक से आने वाली अड़चनें भी आपको निराश कर सकती हैं। कुल मिलाकर इस सप्ताह आपको कामकाज के दौरान अत्यधिक सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए कम अनुकूल रहने वाला है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को बाजार में अपनी साख को बचाए रखने के लिए अपने कंपटीटर से कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में अचानक से आए कुछेक बड़े खर्चों के चलते आपका बना-बनाया बजट गड़बड़ा सकता है। इस सप्ताह आपको जोखिम भरे निवेश से बचना चाहिए। नौकरीपेशा लोग अपने उच्च अधिकारियों के साथ संबंध मधुर बनाए रखें। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह मध्यम फलप्रद है। प्रेम संबंध में किसी बात को लेकर तकरार हो सकती है।

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती हैं। भाग्य का अपेक्षा के अनुरूप समर्थन न मिलने के कारण आपको जीवन में तमाम तरह के व्यवधान झेलने पड़ सकते हैं। स्वजनों का साथ और समर्थन भी कम ही मिल पाएगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके लिए भूमि-भवन से जुड़े विवाद चिंता का बड़ा कारण बन सकते हैं। पैतृक संपत्ति की प्राप्ति में अड़चनें आ सकती हैं। जिन्हें दूर करने के लिए आपको कोर्ट-कचहरी के चक्क र तक लगाने पड़ सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से खूब सतर्क रहने की आवश्कता रहेगी। इस सप्ताह अचानक से आने वाली दिक्क तें आपको लक्ष्य से भटकाने का कारण बन सकती हैं। सप्ताह के उत्तरार्ध में मौसमी बीमारी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने से शारीरिक कष्ट मिलने की आशंका रहेगी। इस दौरान आप नियमों का उल्लंघन करने से बचें अन्यथा आर्थिक कष्ट के साथ अपमान भी झेलना पड़ सकता है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह मध्यम फलप्रद है। रिश्ते-नाते को बेहतर बनाए रखने के लिए स्वजनों की भावनाओं का आदर करें।

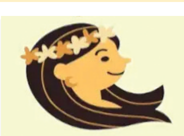

तुला राशिः तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी बहुप्रतीक्षित मनोकामना के पूरे होने पर आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस सप्ताह आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के कद और पद में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। यदि आपके जीवन में बीते कुछ समय से व्यक्ति गत समस्याएं बनी हुई थीं तो इस सप्ताह आप उसका समाधान खोजने में कामयाब हो जाएंगे। इस सप्ताह आप सकारात्मक विचारों और पूरी उर्जा के साथ अपने कार्यक्षेत्र में कार्य करेंगे। परीक्षा-प्रतियोगिता से जुड़े छात्रों को शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यदि आपका कोई मामला अदालत में चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। सेहत सामान्य रहेगी। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह बीते हफ्ते की तुलना कहीं ज्यादा बेहतर रहने वाला है। कारोबार में मनचाहा लाभ होगा। आय के नये स्रोत बनेंगे। संचित धन में वृद्धि होगी। ऋण-रोग दूर होंगे। आकस्मिक धन लाभ के भी योग बनेंगे। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह पूरा सप्ताह आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। लव पार्टनर के साथ अच्छी ट्यूनिंग बनी रहेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सामान्य फलप्रद रहने वाला है। इस सप्ताह आपके जीवन में लंबी समय से बनी समस्याएं धीरे-धीरे दूर होती हुई नजर आएंगी। किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से आप अपनी परेशानियों का हल खोजने में कामयाब हो जाएंगे। अटके हुए कार्यों में प्रगति देखने को मिलेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपको अचानक से करियर और कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा के दौरान अपनी सेहत और सामान का विशेष ख्याल रखें। इस सप्ताह सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने पर शुभ परिणाम की प्राप्ति होगी। वित्तीय दृष्टि से यह पूरा सप्ताह अनुकूल रहने वाला है। कारोबार में धीमी गति से ही सही लेकिन प्रगति और लाभ होता नजर आएगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपका रुझान किसी नई योजना के साथ जुड़ने की ओर होगा। व्यावसायिक दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध का समय ज्यादा बेहतर रहने वाला है। इस दौरान बाजार में अटका हुआ धन निकल सकता है। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह शुभ रहने वाला है। प्रेम संबंध में उपजी गलतफहमियां दूर होंगी। सिंगल लोगों के जीवन में मनचाहे व्यक्ति की इंट्री हो सकती है।

धनु राशिः धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी कोई बहुप्रतीक्षित मनोकामना पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार थे तो इस सप्ताह आपको मनचाहा रोजगार मिल सकता है। वहीं पहले से कार्यरत लोगों का कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। उच्च अधिकारी आपके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की तारीफ करेंगे। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध का समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप व्यवसाय से जुड़ी बड़ी डील कर सकते हैं। इस सप्ताह आपको न सिर्फ विभिन्न क्षेत्रों में मनचाही सफलता मिलेगी बल्कि नए अवसरों की प्राप्ति भी होगी। सप्ताह के मध्य में आपको धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने का अवसर प्राप्त होगा। अचानक से तीर्थाटन का भी प्लान बन सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में स्वयं की योग्यता और पराक्रम से धनार्जन में वृद्धि होगी। इस दौरान अचानक कहीं से धन प्राप्ति संभव है। नौकरीपेशा लोगों की आय के अतिरिक्त स्रोत बनेंगे।

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा ज्यादा ही आपाधापी भरा रहने वाला है। इस सप्ताह आपके सिर पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। कार्यक्षेत्र में शुभचिंतकों का समय पर सहयोग और समर्थन न मिलने पर आपका मन थोड़ा हताश और निराश रह सकता है। सप्ताह की शुरुआत में कामकाज की मुश्किलों के साथ खराब सेहत भी आपकी चिंता का कारण बनेगी। इस दौरान आप किसी भी शारीरिक समस्या को इग्नोर न करें और उसका समय पर इलाज करवाएं अन्यथा उसके कारण आपको अस्पताल के चक्क र काटने पड़ सकते हैं। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान आपको सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर जेब से अधिक धन खर्च करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर खर्चों में वृद्धि और आय में कमी होने के कारण आर्थिक दिक्क त बनी रहेगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को जोखिम भरे निवेश से बचने की आवश्यकता है। इस सप्ताह लेनदेन करते समय सावधानी बरतें तथा अपने कागजी कार्य समय पर निबटाएं। प्रेम-प्रसंग में उतावलेपन से बचें तथा सामाजिक मर्यादा का ख्याल रखें।

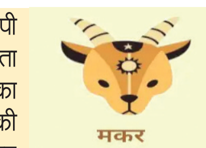

कुंभ राशिः कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह कुंभ राशि के जातकों को किसी भी कार्य को करते समय खूब सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप व्यवसायी हैं तो अपने कागजी कार्य समय पर निबटाएं और धन का लेनदेन करते समय खूब सावधानी बरतें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्य में लापवाही न बरतें और उसे समय पर बेहतर तरीके से पूरा करने का प्रयास करें। इस सप्ताह आवेश में आकर अपने उच्च अधिकारियों से उलझने की भूल बिल्कुल न करें बल्कि उनसे बेहतर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें अन्यथा आपके रोजी-रोजगार पर संकट पैदा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहें। किसी की आलोचना अथवा बुराई न करें अन्यथा लोग आपकी बात को आगे बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में योग्यता और अनुभव होने के बावजूद सीनियर द्वारा अहम जिम्मेदारी किसी व्यक्ति को दिऐ जाने पर आपको दुख होगा। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। प्रेम संबंध में उपजी समस्याएं आपकी चिंता का कारण बनी रहेंगी।

मीन राशिः मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपको करियर-कारोबार में मनचाही प्रगति और लाभ की प्राप्ति होगी। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज की तारीफ होगी। उच्च अधिकारी आपके काम से प्रसन्न होकर आपको कोई अहम जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। करियर की दृष्टि से समय शुभ एवं अनुकूल फलप्रद बना हुआ है। बेरोजगार लोगों को मनचाहे रोजगार की प्राप्ति होगी। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे लोगों को मनचाही सफलता मिलेगी। समय पर लक्ष्य की प्राप्ति से आपको संतोष का अनुभव होगा। इस सप्ताह यदि आप योजनाबद्ध तरीके से अपने कार्य को करते हैं तो आपको अपेक्षा से कहीं ज्यादा लाभ की प्राप्ति संभव है। व्यवसायिक दृष्टि से यह पूरा सप्ताह आपके लिए लाभप्रद बना हुआ है। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको सरकारी निणर्यों से लाभ एवं बड़ी सफलता मिलने का संयोग बन सकता है। वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण होगा। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए पूरी तरह से अनुकूल है। इस सप्ताह आपको अपने प्रिय व्यक्ति यों के साथ समय बिताने के खूब अवसर प्राप्त होंगे। लव लाइफ शानदार बनी रहेगी। जीवनसाथी से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

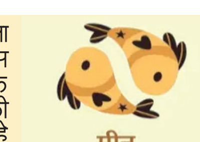

पृष्ठ 1 का शेष

आज होगा उद्घाटन,

इसी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अधिकारियों के अनुसार प्रधानमंत्री उन श्रमिकों से भी मिलेंगे जिन्होंने सबसे कठिन परिस्थितियों में काम किया है।

इस आयोजन में गगनगीर में आतंकी हमले में मारे गए अधिकारियों और श्रमिकों के स्वजन को भी बुलाया जा सकता है। समारोह में केंद्रीय भूतल परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहेंगे।

बीते चार माह के दौरान प्रधानमंत्री का यह दूसरा कश्मीर दौरा है। इससे पूर्व वह सितंबर में श्रीनगर में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करने आए थे।

उमर ने सुरंग का किया दौरा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जेड मोड़ सुरंग ने लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सुरंग के भीतरी हिस्से में जाकर वहां किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए किए उपायों, प्रकाश व्यवस्था और निकास मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सभास्थल का भी जायजा लिया।

उन्होंने जेड मोड़ सुरंग के दौरे की तस्वीरें एक्स हैंडल पर पोस्ट कर लिखा कि जेड मोड़ सुरंग खुलने से सोनमर्ग पूरे साल खुला रहेगा। सोनमर्ग बेहतरीन स्की रिसार्ट के रूप में विकसित होगा। श्रीनगर से कारगिल व लेह तक की यात्रा का समय भी कम हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ने उमर के पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते लिखा कि मैं सुरंग के उद्घाटन के लिए जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

हिमपात के कारण बंद हो जाता है राजमार्ग

434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-करगिल-लेह राजमार्ग सर्दियों में हिमपात के कारण बंद हो जाता है। इससे लद्दाख का शेष दुनिया से सड़क संपर्क टूट जाता है। कारगिल व लेह में सैन्य साजो सामान की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में सिर्फ हवाई संपर्क ही विकल्प रहता है।

लद्दाख तक सदाबहार सड़क संपर्क के लिए दो सुरंगों का निर्माण होना है। कश्मीर में जिला गांदरबल के अंतर्गत गगनगीर और सोनमर्ग के बीच स्थित जेड मोड़ सुरंग का निर्माण पूरा हो चुका है है।

दूसरी सुरंग जोजिला पास की जगह बन रही है और 14 किलोमीटर लंबी है। वह जोजि ला की तलहटी में बालटाल से लेकर मिनीमर्ग (द्रास) तक है। यह सुरंग छह माह पहले बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से इसे वाहनों की आवाजाही के लिए नहीं खोला जा सका था।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोनमर्ग में

करने वाले हैं और परियोजना को औपचारिक रूप से राष्ट्र को समर्पित करेंगे। क्षेत्र की पर्यटन क्षमता पर विचार करते हुए, सीएम अब्दुल्ला ने गांदरबल को एक प्रमुख शीतकालीन खेल गंतव्य के रूप में स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सोनमर्ग सुरंग न केवल सोनमर्ग को सभी मौसमों में संपर्क सुनिश्चित करेगी, बल्कि गुलमर्ग को एक और स्कीइंग और शीतकालीन खेल गंतव्य के रूप में भी पूरक करेगी, जिससे पर्यटन और आर्थिक विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

सोनमर्ग सुरंग श्रीनगर और लेह के बीच संपर्क को बेहतर बनाने, सोनमर्ग तक सभी मौसमों में पहुंच सुनिश्चित करने और क्षेत्र की आर्थिक और पर्यटन संभावनाओं को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जम्मू कश्मीर में न्यूनतम

किया गया, जबकि इससे पिछली रात यह शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे था।

इसके साथ ही स्कीइंग के लिए प्रसिद्ध उत्तर कश्मीर के पर्यटक स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इससे पिछली रात के शून्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे से अधिक है।

काजीगुंड में न्यूनतम तापमान

दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविरों में से एक पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि इससे पिछली रात यह शून्य से 7.6 डिग्री सेल्सियस नीचे था। पहलगाम घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे, पंपोर शहर के कोनीबल में शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे, कुपवाड़ा में शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे और कोकेरनाग में शून्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने कहा कि घाटी में 18 जनवरी तक बादल छाए रहेंगे, लेकिन मौसम शुष्क रहेगा। 15 और 16 जनवरी को ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्का हिमपात होने की संभावना है। कश्मीर इस समय भीषण ठंड की अवधि 'चिल्ला ए-कलां' की चपेट में है जो 21 दिसंबर से शुरू हुआ। 'चिल्ला-ए-कलां' की 40 दिनों की अवधि के दौरान बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक होती है और तापमान काफी घट जाता है।

उपराज्यपाल ने 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय

दृढ़ संकल्प है। मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए पांच विशेष एनडीपीएस अदालतें स्थापित की गई हैं।

उपराज्यपाल ने कहा, अब सभी मामलों में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए वित्तीय जांच की जा रही है ताकि हर एनडीपीएस मामले में पूरे नेटवर्क को बेअसर किया जा सके।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने मादक पदार्थों की तस्करी और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाया है।

उपराज्यपाल ने कहा कि विभिन्न पहलुओं और चुनौतियों पर अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित किया गया है और पिछले दो वर्षों में नियमित रूप से एनसीओआरडी बैठकें आयोजित की गई हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि फोरेंसिक प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और आधुनिक उपकरणों के साथ-साथ जनशक्ति भी सुनिश्चित की गई है।

इसके परिणामस्वरूप प्रयोगशालाओं का प्रभावी कामकाज हुआ है और जल्दी चार्जशीट दाखिल करने और मामलों की प्रभावी सुनवाई के माध्यम से पूरे कानूनी न्याय ढांचे को मजबूत किया गया है।

दिल्ली पुलिस के नए विशेष

बस्तर में शांतिपूर्ण ढंग से लोकसभा चुनाव-2019 आयोजित कराने में भी योगदान दिया था। जब कश्मीर घाटी में अनुच्छेद 370 हटाया गया, तब कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्हें छत्तीसगढ़ से जम्मू-कश्मीर बुलाया गया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर आतंकवादी समूहों की भर्ती को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और व्यापक पुलिस अभियानों की शुरुआत की।

हालांकि, उनके कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस की कार्यशैली की आलोचना भी की गई। कई कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेताओं पर यूएपीए एवं सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत मामले दर्ज करने की शिकायतें आईं। अप्रैल 2020 में, आतंकवादियों के परिवारों को उनके अंतिम संस्कार करने की अनुमति न देने की नई प्रथा की शुरुआत विजय कुमार ने की। उन्होंने 2023 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का सफलतापूर्वक संचालन करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी अगुवाई में जी-20 सम्मेलन भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इसके अलावा, अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। विजय कुमार बिहार के सहरसा जिले के निवासी हैं और उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से मास्टर की डिग्री प्राप्त की है। वह जम्मू-कश्मीर कैडर के एकमात्र आईपीएस अधिकारी हैं, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकवाद-विरोधी शाखा, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप में भी कार्य कर चुके हैं।

आज होगा महाकुंभ का पहला स्नान

13 जनवरी 2025, पौष पूर्णिमा के दिन से महाकुंभ का शुभारंभ हो रहा है। इस बार संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ मेला का आयोजन हो रहा है। सोमवार को श्रद्धालु महाकुंभ का पहला स्नान करेंगे। कुंभ के दौरान लाखों की संख्या में तीर्थयात्री त्रिवेणी में डुबकी लगाएंगे। हिंदू धर्म में कुंभा मेला के दौरान स्नान का कुंभ में स्नान-दान का विशेष महत्व बताया गया है। लेकिन बता दें कि गृहस्थ लोगों के लिए महाकुंभ में स्नान के कुछ नियम होते हैं, जिनका पालन करना बेहद जरूरी होता है। तो आइए जानते हैं महाकुंभ में स्नान के नियम के बारे में।

महाकुंभ में स्नान के नियम

स्वच्छता का रखें ध्यान

महाकुंभ में स्नान करने के लिए जा रहे हैं तो स्वच्छता का ध्यान रखें। त्रिवेणी में स्नान के दौरान साबुन और शैंपू आदि का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें और न शरीर से गंदगी और मैल छुड़ाएं। साथ ही स्नान के बाद त्रिवेणी में कपड़े भी नहीं धुलना चाहिए वरना गंगा स्नान का पुण्य फल प्राप्त नहीं होता है।

इतनी बार लगाएं डुबकी

महाकुंभ में स्नान के दौरान गृहस्थ लोगों को कम से कम 5 बार डुबकी जरूर लगाना चाहिए। कहा जाता है कि 5 बार डुबकी नहीं लगाने से आपकी कुंभ की धार्मिक यात्रा अधूरी रह सकती है। स्नान के दौरान देवी-देवताओं का स्मरण करें। साथ ही हाथ जोड़कर त्रिवेणी-गंगा, सरस्वती और यमुना देवी के साथ ही सूर्य देव को प्रणाम करें।

कुंभ में इनके बाद ही स्नान करें

महाकुंभ में शाही स्नान का खास महत्व होता है। तो अगर आप शाही स्नान के दिन स्नान करने जा रहे हैं तो नागा बाबाओं और अन्य प्रमुख साधु-संतों के बाद स्नान करें। बता दें कि कुंभ में नागा बाबाओं को प्रथम स्नान का अधिकार मिला हुआ है।

स्नान के बाद करें इन मंदिरों के दर्शन

महाकुंभ में स्नान के बाद प्रयागराज के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन भी जरूर करें। कुंभ स्नान के बाद संगम किनारे स्थित लेटे हनुमान जी, अक्षय वट,नागवासुकी मंदिर और अलोपी देवी मंदिर के दर्शन अवश्य करें।

महाकुंभ स्नान की प्रमुख तिथियां

1. पौष पूर्णिमा- 13 जनवरी 2025
2. मकर संक्रांति- 14 जनवरी 2025- पहला शाही स्नान
3. मौनी अमावस्या- 29 जनवरी 2025- दूसरा शाही स्नान
4. बसंत पंचमी- 3 फरवरी 2025- तीसरा शाही स्नान
5. माघ पूर्णिमा- 12 फरवरी 2025
6. महाशिवरात्रि- 26 फरवरी 2025- महाकुंभ का आखिरी स्नान

समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता–उपमुख्यमंत्री

जम्मू

सरकार की जन-केंद्रित नीति पर जोर देते हुए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने कहा कि समग्र विकास के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाना वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उपमुख्यमंत्री यह बात आर.एस.पुरा में जाट सभा द्वारा आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर जम्मू पूर्व के विधायक विक्रम रंधावा, पूर्व मंत्री मंजीत सिंह, चैधरी सुखनंदन, गारू राम, डीडीसी सदस्य, जाट सभा के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

जन-केंद्रित पहलों का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम बिना किसी पक्षपात के समान आधार पर विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं। इन पर काम की गति बढ़ाने के लिए नियमित निगरानी भी की जा रही है।

इस अवसर पर बोलते हुए जाट सभा के सदस्यों ने अपने समुदाय को प्रतिनिधित्व देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। बाद में, उपमुख्यमंत्री ने लोहड़ी समारोह के सिलसिले में जाट सभा द्वारा आयोजित एक समारोह में भी भाग लिया। वहां लोगों से बातचीत करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि लोहड़ी जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि लाएगी।

जम्मू न्यूज़ मिशन

उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री के सलाहकार ने राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का उद्घाटन किया

खेलों के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री

जम्मू

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी के साथ मिलकर नए इंडोर स्टेडियम, एम.ए. स्टेडियम जम्मू में राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप 2024-25 का उद्घाटन किया।

जिम्नास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया और जिम्नास्टिक एसोसिएशन ऑफ जम्मू एंड कश्मीर के सहयोग से जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 20 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और बोर्डों के 500 से अधिक एथलीट और अधिकारी भाग ले रहे हैं।

10 से 13 जनवरी तक आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप का उद्देश्य खेलों में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने के लिए एक मंच प्रदान करना है। यह पहल 'माई यूथ माई प्राइड' और 'आजादी का अमृत महोत्सव' अभियानों का हिस्सा है। यह तीसरी बार है जब जम्मू-कश्मीर ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी की है।

चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन की मेजबानी पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग जैसे सामाजिक मुद्दों से निपटने के लिए युवा ऊर्जा को खेलों में लगाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र का भविष्य हमारे युवाओं में निहित है। खेलों में अवसर प्रदान करके, हम आशाजनक करियर को आकार दे सकते हैं और आकांक्षाओं को प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, सरकार जम्मू-कश्मीर में खेल के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसके अलावा हम एथलीटों, खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए भी सक्रिय रूप से पहल कर रहे हैं ताकि वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

मुख्यमंत्री के सलाहकार ने जम्मू-कश्मीर में जिमनास्टिक, जल क्रीड़ा और मार्शल आर्ट सहित ओलंपिक खेलों में अपार प्रतिभा को रेखांकित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि स्थानीय एथलीट एशियाई और ओलंपिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को खेल हब के रूप में स्थापित करने के लिए बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और कोचिंग को बढ़ाकर ओलंपिक खेलों को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इस अवसर पर बोलते हुए युवा सेवा और खेल सचिव सरमद हफीज ने जम्मू-कश्मीर के जिमनास्टों की उपलब्धियों की सराहना की और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। जिमनास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने जम्मू-कश्मीर सरकार के अटूट समर्थन की सराहना की और जिमनास्टिक में क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और प्रतिभा विकास की सराहना की।

इस समारोह में युवा सेवा और खेल महानिदेशक राजिंदर सिंह तारा, खेल परिषद सचिव नुजहत गुल, सचिव किरण वट्टल, जीएफआई के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर जिमनास्टिक एसोसिएशन के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

डीडीसी ने रियासी जिले में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रियासी

जिला विकास आयुक्त रियासी निधि मलिक ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम पर जिला स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई तथा जिले में इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रणनीति बनाई गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्रीय कर्मचारियों ने भाग लिया। डीडीसी ने कृषि, बागवानी, पशुपालन एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में विभागवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने किसानों को जोड़ने तथा समर्पित एचएडीपी पोर्टल पर उनके पंजीकरण को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। डीडीसी ने अधिकारियों को कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों की संख्या, स्वीकृत मामलों तथा कार्यान्वित परियोजनाओं का विवरण देते हुए घटकवार व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डीडीसी ने अधिकारियों से जमीनी स्तर पर स्पष्ट परिणाम सुनिश्चित करने के लिए समन्वित एवं समर्पित तरीके से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने विभागों के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया और कार्यक्रम के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए किसानों के साथ सक्रिय जुड़ाव को प्रोत्साहित किया।